मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 298
गुरुवार, 22 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से होगा मुक्तः अमित शाह

नई दिल्ली, 21 मई। भाकपा (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू बुधवार को अबूझमाड़ जंगल में हुई मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने बताया कि बसवराजू बुधवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 27 माओवादियों में शामिल था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बसवराजू माओवादी आंदोलन की रीढ़ था। शाह ने एक्स पर लिखा कि नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। आज, छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में, हमारे सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया है, जिनमें सीपीआई-माओवादी के महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल हैं।

शाह ने आगे लिखा कि नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में यह पहली बार है कि हमारे बलों द्वारा एक महासचिव स्तर के नेता को मार गिराया गया है। मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करता हूँ। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

शाह ने कहा, मोदी सरकार 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा, ऑपरेशन पिछले 72 घंटों से चल रहा है। बुधवार को हुई मुठभेड़ में 26 से अधिक माओवादी मारे गए।₹ 71 वर्षीय बसवराजू को 2018 में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का नया महासचिव नियुक्त किया गया था। 1970 के दशक से माओवादी आंदोलन के दिग्गज, बसवराजू देश के सबसे मायावी माओवादी नेताओं में से एक हैं और उनके सिर पर 1.5 करोड़ रुपये का इनाम है। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के जियान्नापेटा गांव के मूल निवासी, बसवराजू वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक स्नातक हैं। पिछले कुछ सालों में, उन्होंने गंगन्ना, प्रकाश, कृष्णा, विजय, दारापु नरसिम्हा रेड्डी और नरसिम्हा सहित कई उपनामों का इस्तेमाल किया है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की हर मां, बेटी और बहन की जीत : ओम बिरला

नई दिल्ली, 21 मई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता की सराहना करते हुए कहा कि यह याद रखना जरूरी है कि यह जीत भारत की प्रत्येक मां, बहन और बेटी की जीत थी।

बूंदी में सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान के सम्मान में मंगलवार की शाम को राष्ट्रव्यापी पहल तिरंगा यात्रा का उद्घाटन करते हुए बिरला ने कहा कि हाल के दिनों में भारत के प्रत्येक नागरिक के दिल में देशभक्ति की लहर उमड़ी है। बिरला ने कहा, नारी शक्ति राष्ट्र की शक्ति बन गई है, जो हमारे सैनिकों को प्रेरित कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गाथा सुनहरे अक्षरों में लिखी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान एक सैन्य अभियान से आगे, उन सभी महिलाओं के सिंदूर की रक्षा का संकल्प था जिनके पति तिरंगे की आन, बान और शान की रक्षा के लिए सीमाओं पर मुस्तैद हैं। राजस्थान के पूर्व मंत्री प्रभु लाल सैनी, बूंदी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला प्रमुख रामेश्वर मीणा और हजारों अन्य लोगों की उपस्थिति में यह यात्रा आजाद पार्क से शुरू हुई और कोटा रोड, नगर-सरग कुंड, इंदिरा मार्केट, अहिंसा सर्किल, खोजा गेट और गायत्री नगर से होते हुए सिविल लाइंस रोड स्थित शहीद रामकल्याण स्मारक पर समाप्त हुई।

प्रधानमंत्री आवास योजना की धीमी प्रगति पर डीएम सख्त, अपात्रों से होगी वसूली

वाराणसी, 21 मई। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति को लेकर बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) को लेकर विशेष चर्चा हुई। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों की जांच में तेजी लाई जाए ताकि पात्र लाभार्थियों को समय से आवास का लाभ मिल सके। डीएम ने कहा कि भारत सरकार के यूनिफाइड वेब पोर्टल पर बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी जांच में ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एसडीएम सदर को निर्देश दिए कि वे लेखपालों के माध्यम से सभी आवेदनकताओं के भूलेख व आय प्रमाणपत्र की गहन जांच कराएं। उन्होंने कहा कि सत्यापन के दौरान लेखपाल सभी भूलेखों और आय प्रमाण पत्रों की गहनता से जांच करें, जिससे केवल पात्र लाभार्थियों को ही योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि सत्यापन के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी और पात्रता सुनिश्चित करने में पारदर्शिता बरती जाए। बैठक में जब यह जानकारी सामने आई कि प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रथम चरण के तहत चयनित 643 लाभार्थियों ने अब तक आवास का निर्माण ही नहीं कराया है, तो जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे सभी लाभार्थियों की सूची तैयार की जाए और उनसे आर्थिक वसूली की कार्रवाई शुरू की जाए। डीएम ने कहा कि सरकार द्वारा दिए गए धन का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा।

आपरेशन सिन्दूर : काशी में गूंजा मातृशक्ति का जयकारा, भारत माता की सुरक्षा का नया संदेश

- एक स्वर में कहा कि सिंदूर का अर्थ अब सिर्फ श्रृंगार नहीं, ये भारत की सुरक्षा का पहचान है
- भारत माता एवं अहिल्याबाई की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही

सुरेश गांधी

वाराणसी। आपरेशन सिन्दूर देश के दुश्मनों के लिए एक संदेश सिद्ध हुआ। आतंकिस्तान के साथ पाकिस्तान को भी हिला कर रख देने वाला भारतीय सेना का यह मिशन भारत की शक्ति को पुनः स्थापित किया। भारत में बेटियों को शक्ति का रूप माना गया है और इस मिशन में भारतीय सेना का नेतृत्व कर रही दो बेटियों ने बता दिया कि सिन्दूर की ओर आंख उठाने का परिणाम क्या होगा। आपरेशन सिन्दूर के बाद देश भर में हर्ष का माहौल है। इसी क्रम में बुधवार को वाराणसी में भी मातृशक्तियों ने भारतीय मातृशक्ति गौरव समिति, काशी द्वारा आयोजित विशाल गौरव यात्रा निकालकर भारत की सैन्य शक्ति का सम्मान किया है। सीमा पर युद्ध में वीरगति को प्राप्त भारत माता के बलिदानी वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी है।

सिगरा नगर निगम स्थित शहीद उद्यान से निकली इस यात्रा में हजारों की संख्या में उपस्थित मातृशक्ति ने गगनभेदी उद्घोष से भारत की तरफ आंख उठाने वालों को सन्देश दिया कि सेना के साथ हम भी डटे हैं। यात्रा का नेतृत्व भारत माता एवं देवी अहिल्याबाई की झांकी से किया गया। देवी अहिल्या के नौ रूपों में शिवलिंग लेकर आयी बालिकाओं ने भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और प्राचीन नारीशक्ति से परिचित कराया, जिसका संयोजन डॉ.शिप्राधर ने किया। देवी अहिल्याबाई श्रीकाशी विश्वनाथ की अनन्य भक्त रहीं। यह झांकी लोगों में आकर्षण का केन्द्र रही। मातृशक्तियों ने एक स्वर में कहा कि सिंदूर का अर्थ अब सिर्फ श्रृंगार नहीं, ये भारत की सुरक्षा की पहचान है। इसी के साथ वन्देमातरम और भारत माता की जय के उद्घोष महानगर गुंजायमान होता रहा। यह यात्रा अपने विश्राम स्थल भारत माता मन्दिर पहुंची। मन्दिर परिसर में उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता एन.सी.सी. बीएचयू की सीनियर गर्ल्स कैडेट श्रुति श्रीवास्तव ने कहा कि आपरेशन सिन्दूर से हमारी सेना ने बता दिया कि हम शान्ति चाहते है, किन्तु अगर कोई युद्ध थोपेगा तो विजय हम ही लिखेंगे। उन्होंने कहा कि आज का दिन मात्र एक आयोजन नहीं, गौरव का उत्सव है। बलिदानियों के बलिदान का प्रणाम करने का संकल्प है, और भारत माता के प्रति अपनी निष्ठा को दोहराने का अवसर है। इसके पूर्व मन्दिर परिसर में भारत माता की प्रतिमूर्ति बालिका का माल्यार्पण किया गया। दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। विषय प्रस्तावना सह संयोजिका प्रो0 अमिता सिंह ने किया। अतिथि परिचय एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजिका प्रो0 मंजू द्विवेदी एवं संचालन डॉ.शिप्राधर व सीए जमुना शुक्ला ने किया। इस अवसर पर डॉ.आनन्द प्रभा, डॉ.रंजना श्रीवास्तव, प्रो0 भावना, डॉ.रूचि, गूंजन नन्दा, सीमा तिवारी ने अपने महत्वपूर्ण योगदान से कार्यक्रम को सफल बनाया।

पं. दीन दयाल अस्पताल का ईएनटी विभाग बना तंदूर, 45 डिग्री में मरीजों की जांच कर रहे डॉक्टर

वाराणसी। जहां एक ओर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देने की बात कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल के ईएनटी विभाग की यह स्थिति न सिर्फ डॉक्टरों और मरीजों के लिए संकट बन गई है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का एक उदाहरण भी बन चुकी है। हाल यह है कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल का ईएनटी (कान-गला-नाक) विभाग इन दिनों भीषण गर्मी में तप रहा है। जहां अन्य विभागों में एसी की व्यवस्था है, वहीं इस विभाग में डॉक्टर और मरीज 45 डिग्री की झुलसाती गर्मी में पसीना बहा रहे हैं। हालात इतने खराब हैं कि डॉक्टर ने खुद के खर्चे से एक कूलर लगवाया है, लेकिन वह गर्म हवा फेंकने के अलावा कुछ नहीं कर रहा।

ऐसे में मरीजों की जांच में समय लग रहा है और लक्षणों को बारीकी से समझने में भी बाधा उत्पन्न हो रही है, जो ईएनटी जैसी संवेदनशील विशेषज्ञता के लिए चिंता का विषय है।

करीब एक माह पहले मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने डीडीयू अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था।

उस दौरान उन्होंने ईएनटी विभाग की दयनीय हालत देखी और तत्काल एसी लगवाने का आदेश दिया था। लेकिन अब तक आदेश सिर्फ फाइलों तक सीमित है, जमीनी हकीकत जस की तस बनी हुई है।

राजेश नामक एक 65 वर्षीय मरीज जो टिनिटस (कानों में आवाज की समस्या) से पीड़ित हैं, ने कहा, मैं सुबह 9 बजे से लाइन में खड़ा था। जब डॉक्टर के पास पहुंचा तो वहां गर्मी और भी ज्यादा थी।

बैठना तक मुश्किल हो रहा था। जबकि फामिता, अपनी 7 साल की बेटी के साथ आई थीं। उन्होंने बताया, बच्ची को कान में दर्द था। लेकिन भीड़ और गर्मी के कारण वह रोने लगी। डॉक्टर ने अच्छे से देखा जरूर, लेकिन हालत देखकर दया आ रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पलामुरु-रंगा रेड्डी परियोजना को लेकर नागम की याचिका कर दी खारिज

नई दिल्ली, 21 मई। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व मंत्री नागम जनार्दन रेड्डी द्वारा दायर याचिका (एसएलपी) को खारिज कर दिया। इस याचिका में पलामुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था।

सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई वैध कारण नहीं है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है।याचिकाकर्ता डॉ. नागम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण पेश हुए। सुप्रिम कोर्ट ने कहा कि अदालतें राज्य की हर कार्रवाई की निगरानी नहीं कर सकतीं। वहीं, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने दलीलें दीं। उन्होंने अदालत को बताया कि नागम पिछले 10 वर्षों से हाईकोर्ट, सीवीसी आदि के समक्ष लगातार मामले दायर कर रहे हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने एसएलपी को खारिज करने का आदेश दिया।

कोलकाता के आसमान में दिखे रहस्यमयी ड्रोन, जांच जुटी में सेना और पुलिस

कोलकता। कोलकाता के आसमान में ड्रोन जैसी कई वस्तुएं उड़ती देखी गईं, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि सोमवार रात को हेस्टिंग्स क्षेत्र, विद्यासागर सेतु और मैदान के ऊपर कम से कम 8-10 ड्रोन संदिग्ध वस्तुएं उड़ती देखी गईं। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा है। केंद्र सरकार ने इस घटना पर राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। रक्षा मंत्रालय के पूर्वी कमान के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु तिवारी ने एक बयान में कहा कि कोलकाता के ऊपर ड्रोन देखे जाने की रिपोर्ट मिली है और फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। इस घटना की सत्यता का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.अो.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

तमस से ज्योति की ओर एक सुधारवादी यात्रा

-ललित गर्ग

राजा राममोहन राय जन्म जयन्ती- 22 मई, 2025

यह वह समय था जब हिन्दुस्तान एक तरफ विदेशी दासता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था वहीं दूसरी तरफ रूढ़िवाद, धार्मिक संकीर्णता, सामाजिक कुरीतियों और दमघोंटू प्रथाओं के बोझ तले दबा हुआ था। तभी एक मसीहा, समाज-सुधारक एवं क्रांतिकारी महामानव अवतरित हुआ जिसने तमाम बुराइयों को चुनौती दी और आखिरी सांस तक बदलाव के लिये क्रांतिकारी योद्धा की तरह लड़ा। ये मसीहा था राजा राममोहन राय। इन्हें देश एवं दुनिया आज भारत में सामाजिक सुधारों के अग्रदूत के तौर पर याद करती है। अपने दौर में वे ह्यभारतीय पुनर्जागरण के पितामह बनकर सच्चे जीवन की लौ बनें और इस लौ का आह्वान था नये भारत का निर्माण। वे तमस से ज्योति की ओर एक बहुआयामी सुधारवादी यात्रा का उजाला थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी राय के द्वारा स्थापित ब्रह्म समाज, जो आधुनिक पश्चिमी विचारों से प्रभावित था, सबसे शुरूआती सुधार आंदोलन था। एक सुधारवादी विचारक के रूप में राय आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय गरिमा तथा सामाजिक समानता के सिद्धांतों में विश्वास करते थे। राय के प्रयासों से ही भारत में आधुनिक धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव पड़ी। राय के बाद, देवेंद्रनाथ ठाकुर और केशव चंद्र सेन जैसे सुधारकों ने ब्रह्म समाज के विचारों को आगे बढ़ाया और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाया। उन्नीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची, वे इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वे साहित्यस्रष्टा के साथ-साथ धर्मक्रांति एवं समाजक्रांति के सूत्रधार विराट व्यक्तित्व थे।

राजा राम मोहन राय का जन्म पश्चिम बंगाल स्थित हुगली जिले के राधानगर गांव में 22 मई 1772 को हुआ। पिता रमाकांत राय शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले थे, वहीं माता तारिणी देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं। पूरा परिवार कट्टर हिन्दु परंपराओं का हिमायती था लेकिन राममोहन राय को बिना तर्क किसी भी बात को स्वीकार नहीं करते थे, इसलिए जब केवल 15 साल के थे तो उन्होंने मूर्ति पूजा को लेकर सवाल खड़े कर दिये। साथ ही अन्य प्रथाओं की भी आलोचना करनी आरंभ कर दी। हिन्दू परंपराओं का विरोध करना शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले पिता रमाकांत को नागवार गुजरी। पिता-पुत्र में गहरा मतभेद हो गया। राय को पढ़ने के लिए पटना भेज दिया गया। यहां उन्होंने बांग्ला, पारसी, अरबी, संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया। यहां भी वो हिन्दू परंपराओं और प्रथाओं को तर्क की कसौटी पर परखते रहे और सवाल उठाते रहे। पढ़ाई पूरी करने के बाद राय ने ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व विभाग में नौकरी कर ली, यहां वे कई अंग्रेजों के संपर्क में आये। उनकी सभ्यता, सोच और तौर-तरीकों को करीब से महसूस किया। उन्होंने समझ लिया कि पश्चिमी सभ्यता विकास की प्रक्रिया में काफी आगे निकल गयी है जबकि हिन्दुस्तान इसके मुकाबले सदियों पीछे जी रहा है।

राय ने हिन्दू ग्रंथों के साथ इस्लाम एवं ईसाई धर्मों एवं ग्रंथों का भी गहराई से अध्ययन किया। उन्हें एक बात समझ आयी कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में वो कतई नहीं लिखा है जो पोंगा पंडित, लोगों को बता रहे हैं। उन्होंने महसूस किया कि भारतीय जनमानस अपने ग्रंथों की मूलभावना से काफी अनजान है। ऐसा इसलिए था क्योंकि धर्मग्रंथ संस्कृत भाषा में लिखे गये थे और लोगों की पहुंच से दूर थे। इसलिए उन्होंने धर्मग्रंथों का हिन्दी, बांग्ला, अरबी और फारसी भाषाओं में अनुवाद किया। उन्होंने अपने अखबारों ह्यसंवाद कौमुदीह्न और ह्यमिरात-उल-अखबारह्न में लेखों के जरिये आम जनमानस को जागरूक करने का प्रयास किया। राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का जनक माना जाता है। वे एक महान समाज सुधारक, विचारक एवं क्रांतिपुरुष थे, जिन्होंने 19वीं सदी में भारत में सामाजिक, धार्मिक और शैक्षिक सुधारों के लिए अनूठे एवं विलक्षण उपक्रम किये। उन्होंने व्यक्ति-क्रांति के साथ समाज-क्रांति करते हुए सती प्रथा, बाल विवाह और जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ावा दिया और महिलाओं के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया।

राय का मानना था कि धार्मिक रूढ़िवादिताएं समाज की स्थिति को सुधारने के बजाय क्षति का कारण, परेशानी का स्रोत, सामाजिक जीवन के लिए हानिकारक और लोगों को भ्रमित करने वाली बन गई हैं। उनका यह भी मानना था कि बलिदान और अनुष्ठान लोगों के पापों की भरपाई नहीं कर सकते; यह आत्म-शुद्धि और पश्चाताप के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने धार्मिक सुधार से सामाजिक सुधार और राजनीतिक आधुनिकीकरण दोनों का सूत्रपात किया। राय अपने समय से बहुत आगे चलने एवं सोचने वाले दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। स्वतंत्रता, समानता और न्याय के सिद्धांतों के अंतर्राष्ट्रीय चरित्र के बारे में उनकी समझ ने आधुनिक युग के महत्त्व को बखूबी समझा। ये सिद्धांत वर्तमान ह्यन्यू इंडियाह्न के विचार को प्रेरित करते हैं। राय ने वर्ष 1803 में अपनी पहली पुस्तक ह्यतुहफत-उल-मुवाहिदीनह्न या ह्यगिफ्ट टू मोनोथिस्टह्न प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने एकेश्वरवाद यानी एकल ईश्वर की अवधारणा के पक्ष में तर्क दिया है। उन्होंने अपने इस तर्क में प्राचीन हिंदू ग्रंथों के एकेश्वरवाद का समर्थन करने के लिये वेदों और पाँच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया।

वर्ष 1814 में उन्होंने मूर्तिपूजा, जातिगत रूढ़िवादिता, निरर्थक अनुष्ठानों और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाने के लिये कलकत्ता में आत्मीय सभा की स्थापना की। जब उनके बड़े भाई का देहांत हो गया तो परंपरा के मुताबिक गांव वालों ने पंडितों के साथ मिलकर उनकी भाभी को सती हो जाने के लिए मजबूर किया। उन्हें मृतक के साथ उसी चिता में जिंदा जला दिया गया। इस घटना से राय बहुत दुखी हुए। उन्होंने पूरे हिन्दुस्तान में ऐसी क्रूर प्रथा को धर्म के नाम पर खुलेआम होते देखा। उन्होंने वर्ष 1818 में सती-विरोधी संघर्ष शुरू किया और पवित्र ग्रंथों का हवाला देते हुए यह साबित करने का प्रयास किया कि सभी धर्म मानवता, तर्क और करुणा की बात करते है; कोई भी धर्म विधवाओं को जिंदा जलाने का समर्थन नहीं करता है। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 1829 में सरकारी विनियमन द्वारा सती प्रथा को अपराध घोषित कर दिया गया। राय सती प्रथा के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ एक धार्मिक योद्धा थे। इससे पहले जब उनके पिता का देहांत हुआ था तब उन्होंने देखा था कि समाज विधवाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है। विधवाओं का सिर मुंडवा दिया जाता था। उन्हें रंगहीन सफेद कपड़ा पहनना पड़ता था। उन्हें बेस्वाद खाना खाने के लिए मजबूर किया जाता था। उन्हें परिवार या समाज के सार्वजनिक आयोजनों से दूर रखा जाता था। इन दोनों बातों ने राममोहन राय को अंदर तक व्यथित किया।

राय ने ठान लिया कि वे भारतीय समाज के इन बुराइयों को दूर कर के रहेंगे। इसलिए उन्होंने सती प्रथा उन्मूलन और विधवा पुनर्विवाह कानून बनाने की मुहिम छेड़ दी। इसमें उन्हें तात्कालीन गर्वनर जनरल लार्ड विलियम बैंटिक से खूब सहायता मिली। उन्होंने जाति व्यवस्था, छुआ-छूत, अंधविश्वास और मादक द्रव्यों के इस्तेमाल के खिलाफ भी अभियान चलाया। उनके विचारों और गतिविधियों का उद्देश्य सामाजिक सुधार के माध्यम से जनता का राजनीतिक उत्थान करना था। राजा राम मोहन राय ने महसूस किया कि भारतीय युवाओं को आधुनिक शिक्षा पाने के लिए विदेशों में शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। उन्होंने इंग्लैंड भेजे जाने वाले भारतीय छात्रों का समर्थन किया और यह कहा कि पश्चिमी शिक्षा ही भारतीय समाज को आधुनिकता और प्रगति की ओर ले जा सकती है। तत्कालीन मुगल बादशाह ने उन्हें आर्थिक सहायता संबंधी किसी काम के लिए ब्रिटेन भेजा। इसी मुगल बादशाह ने उनको राजा की उपाधि भी दी।

राजा राम मोहन राय का आधुनिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण और उनके प्रयास भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक क्रांति लेकर आया। उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय समाज को अंग्रेजी और आधुनिक विज्ञान की शिक्षा से जोड़ा और भारत में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत की। राजा राममोहन राय ने भारतीय समाज में आधुनिकता, तर्कशीलता और समानता की नींव रखी। उनके कार्यों ने भारतीय समाज को प्राचीन रूढ़ियों से बाहर निकालकर आधुनिक युग की ओर अग्रसर किया। वे न केवल धार्मिक सुधारक थे, बल्कि सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक सुधारों के भी पथप्रदर्शक थे। उनके जीवन का हर पहलू समाज सुधार, धार्मिक सहिष्णुता और समानता के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

कोरोना वायरस ने रूप बदलकर एक बार फिर से दस्तक दे दी है

अशोक भाटिया

कोरोना वायरस ने रूप बदलकर एक बार फिर से दस्तक दे दी है। सिंगापुर और हांगकांग में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी होने से भारत के लोग डरे हुए हैं। कोरोना का नाम सुनते ही हर किसी के जहन में फिर से साल 2020-21 की वो खौफनाक यादें ताजा हो उठती हैं, जिनको सोचने मात्र से ही रूह कांप जाए। एक बार फिर से केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र में कोरोना मरीज तेजी से बढ़ने लगे हैं। मुंबई के केईएम अस्पताल में दो कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत के बाद शहर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। पिछले कुछ महीनों से देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार थमती नजर आ रही थी। लोग राहत की सांस ले ही रहे थे कि, दो लोगों की मौत ने फिर से चेतावनी की घंटी बजा दी है। एक बार फिर कोविड-19 बता दिया है कि, ने उसे नजरअंदाबज करना भारी पड़ सकता है।

बताया जाता है कि हांगकांग में पिछले 10 हफ्तों में हर वीक कोविड केस 30 गुना से अधिक बढ़ गए हैं। लेकिन ये उछाल सिर्फ हांगकांग तक सीमित नहीं है। सिंगापुर में भी एक हफ्ते में करीब 30 फीसदी केस बढ़े हैं। चीन और थाईलैंड से भी कोविड के बढ़ते मामलों की रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं।हांगकांग ने 10 मई 2025 को खत्म हुए हफ्ते में कुल 1,042 कोविड केस रिपोर्ट किए। उससे पिछले हफ्ते ये आंकड़ा 972 था। मार्च की शुरूआत में यहां हफ्ते के सिर्फ 33 केस थे। यानी मार्च से लगातार केस बढ़ते जा रहे हैं।

सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि यहां पॉजिटिविटी रेट लगातार बढ़ रही है। 1 मार्च को खत्म हुए हफ्ते में पॉजिटिविटी रेट सिर्फ 0.31% थी। ये 5 अप्रैल तक 5.09% हो गई और 10 मई को खत्म हुए हफ्ते में बढ़कर 13.66% तक पहुंच गई।कोरोना का नया वेरिएंट खठ.1 कितना खतरनाक है, ये अब तक साफ नहीं हो सका है। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसा कोई सबूत अब तक मिला नहीं है जिससे ये कहा जा सके कि ये वेरिएंट पहले से ज्यादा खतरनाक है। या फिर ये ज्यादा तेजी से फैल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि कमजोर इम्यूनिटी वालों को थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है। ऐसे लोगों को ये आसानी से अपना निशाना बना सकता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक सोमवार को बुलाई थी। बैठक में देश में मौजूदा कोविड-19 की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना की स्थिति कंट्रोल में है। 19 मई तक भारत में कोरोना के 257 एक्टिव मामले पाए गए। ये आंकड़ा देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत कम है। मुंबई में 2 मरीजों की जान भी संक्रमण से जा चुकी है। भारत में कोरोना के ज्यादातर केस केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से मिले हैं। हालांकि, भारत में JN-1 कोरोना वेरिएंट के सकुर्लेट होने की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पीटीआई ने एक आधिकारिक सूत्र के हवाले से कहा, देश में पाए गए कोरोना के मामलों में लगभग सभी मामले हल्के हैं, इससे अस्पताल में भर्ती होने की भी जरूरत नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आश्वासन के बावजूद देखा जाय तो कोरोना वायरस आम से खास लोगों तक भी पहुंच गया है। हाल ही में बिग बॉस 18 में नजर आईं एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम के जरिए अपने फॉलोअर्स से अलर्ट रहने की अपील की। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने और मास्क पहनने की अपील की है। मुंबई में तो पिछले तीन महीनों में मुंबई में हर महीने औसतन 7 से 10 नए कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जो भले ही संख्या में कम हैं, लेकिन इनको पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। खासकर तब जब एशिया के कुछ देशों जैसे हांगकांग और सिंगापुर में कोरोना संक्रमण एक बार फिर तेजी से फैल रहा है।

बताया जाता है कि जो लोग पहले कोरोना वैक्सीन ले चुके हैं, उनके लिए भी कोरोना के नए वेरिएंट खठ.1 का खतरा है। एक स्टडी के मुताबिक, खठ1 का असर इम्यून सिस्टम पर न हो, ये कहना मुश्किल है। पहले की वैक्सीनें या इन्फेक्शन से बनी एंटी बॉडीज इसके खिलाफ कम प्रभावी हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि XBB.1Ü5 मोनोवैलेंट बूस्टर डोज JN1 वेरिएंट से लड़ने में मददगार है। WHOके मुताबिक, इस बूस्टर वैक्सीन को खासकर ओमिक्रॉन के XBB1.Ü5 सब-वेरिएंट के लिए बनाया गया है। इसेस शरीर में एंटीबॉडीज बढ़ती हैं। ये डोज JN1 से होने वाली बीमारी को 19% से 49% तक रोक सकती है।

हांगकांग सरकार ने लोगों से साफ तौर पर कहा है कि सभी लोग खुद को सुरक्षित रखने के लिए पर्सनल और आस-पास की सफाई का ध्यान रखें। ताकि खुद को और दूसरों को कोविड से बचाया जा सके।कोविड केस बढ़ने के बाद हांगकांग सरकार ने खासतौर पर जिन्हें पहले से कोई बीमारी है या जिनकी इम्युनिटी कमजोर है, ऐसे हाई-रिस्क लोगों को सलाह दी है कि वे पिछली डोज या संक्रमण के कम से कम 6 महीने बाद एक और कोविड वैक्सीन की डोज जरूर लें। चाहे उन्होंने पहले कितनी भी डोज क्यों न ली हों। सिंगापुर में कोविड केस 27 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में 11,100 थे, जो 3 मई के हफ्ते में बढ़कर 14,200 हो गए। यानी एक हफ्ते में करीब 30% का उछाल। यही नहीं, अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी रोज औसतन 102 से बढ़कर 133 हो गई है। ये आंकड़े सिंगापुर सरकार के हैं।सरकार का कहना है कि ये उछाल कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि लोगों में वैक्सीन से बनी इम्युनिटी का धीरे-धीरे कम हो जाना। इस वक्त सिंगापुर में जो कोविड वेरिएंट सबसे अधिक फैल रहे हैं, वो हैं XBB.1.5 और NBÜ1Ü8Ü दोनों JN1 वेरिएंट की ही अगली पीढ़ी हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि JNÜ1 वेरिएंट ही मौजूदा कोविड वैक्सीन बनाने में इस्तेमाल हुआ था। थाईलैंड में भी हाल ही में छुट्टियों के बाद कोविड केस तेजी से बढ़े हैं। इस साल अब तक वहां 71,067 केस और 19 मौतें रिपोर्ट की जा चुकी हैं।

एशिया के 2 देशों हांगकांग और सिंगापुर में कोरोना के मामले जहां तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं भारत में भी अब डराने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं। इस आंकड़े ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। सिंगापुर में जहां मामलों की संख्या में 28% की वृद्धि हुई है, वहीं, हांगकांग में सिर्फ एक सप्ताह में 31 गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं। सिंगापुर को हाई अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि कोविड-19 मामलों की अनुमानित संख्या 14,200 हो गई है। अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी लगभग 30% की वृद्धि देखी गई। वहीं, भारत में बढ़ते कोरोना के मामले पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि फिलहाल मामला कंट्रोल में है। बीते सोमवार को स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक हुई। स्वास्थ्य मंत्रालयएक अधिकारी ने कहा कि लगभग सभी मामले हल्के हैं, जिनमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। अधिकारी ने कहा कि हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। देश में एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP) और क्ळटफ के माध्यम से कोरोना सहित वायरल श्वसन बीमारियों की निगरानी के लिए एक मजबूत प्रणाली है।देश में अधिकतर लोगों ने कोरोना से बचाव के लिए अपना वैक्सीनेशन पूरा करा लिया है। लेकिन वैक्सीनेशन कोरोना के इस नए वेरिएंट से कितना बचाव करता है। इसका जवाब देते हुए डॉ। श्रेय श्रीवास्तव, कहते हैं कि वैक्सीन लगवा चुके लोगों का संक्रमण का खतरा काफी कम है। लेकिन फिर भी सावधानी जरूर रखनी चाहिए। वैक्सीन लेने से वायरस से संक्रमण में आने वाले गंभीर लक्षणों का खतरा टल जाता है। अगर आप भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जा रहे हैं तो मास्क पहनना जरूरी है। चाहे मॉल हो, मेट्रो हो या स्कूल में बच्चों को छोड़ने जा रहे हों। साबुन से हाथ धोना या सैनिटाइजर का इस्तेमाल एक छोटी-सी आदत है, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा है। वायरस को फैलने से रोकने के लिए यह बुनियादी सावधानी जरूरी है।सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियां अलर्ट पर हैं, लेकिन सबसे बड़ी जिम्मेदारी आम जनता की है। हमें खुद को और अपनों को सुरक्षित रखने के लिए फिर से सतर्कता बरतनी होगी।जब तक हालात पूरी तरह सामान्य न हों, कोशिश करें कि भीड़ वाली जगहों पर न जाएं। सामाजिक दूरी आज भी उतनी ही जरूरी है जितनी पहले थी।अगर आपने अब तक बूस्टर डोज नहीं लगवाई है, तो देरी मत कीजिए। वैक्सीन संक्रमण को रोकने में सहायक है और गंभीर लक्षणों से भी बचाती है। बुखार, खांसी, गले में खराश या थकान, ये सब कोरोना के शुरूआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में खुद को आइसोलेट करें और टेस्ट जरूर कराएं।

साथ ही इन लक्षणों को पहचानें और खुद को बचाकर रखें जैसे हल्का बुखार या गले में खराश हो तो सतर्क हो जाएं, नाक बंद या बहना शुरू हो गई है तो खुद पर ध्यान दें,सिरदर्द और बदन में दर्द हो तो डॉक्टर से पास जाएं, थकान महसूस होना भी कोरोना के लक्षण हैं,सूखी खांसी या सांस लेने में तकलीफ होना कोरोना के लक्षण हैं।

कोरोना से डरने की नहीं, लेकिन सावधान रहने की जरूरत है। हमने पहले भी मिलकर इस वायरस को हराया है और अब भी वही एकजुटता और जिम्मेदारी जरूरी है। इस बार भी जीत हमारी ही होगी, अगर हम लापरवाही नहीं करेंगे। कोरोना कहीं गया नहीं है, बस हमारी नजर से ओझल हो गया था। अब जब वह फिर सामने है तो हमें भी फिर से तैयार होना होगा।

'विकास' उड़ गया आंधी में

दिल्ली-एनसीआर को गत दिनों तेज आंधी,बारिश व तूफान का सामना करना पड़ा। इस तेज आंधी में नई दिल्ली स्टेशन के करीब नबी करीम क्षेत्र में एक निमार्णाधीन मकान की दीवार गिर गई जिसमें दब जाने से 3 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गये। जबकि कई जगहों पर पेड़ उखड़ने का भी समाचार है। परन्तु शायद इस आंधी का सबसे अधिक प्रकोप न्यू अशोक नगर रैपिड मेट्रो स्टेशन को झेलना पड़ा। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेलवे ट्रांजिट सिस्टम के बीच आने वाले इस स्टेशन के एक बड़े हिस्से की छत ही तेज हवा के चलते उड़ गई। और छत की कई टीन नीचे सड़क पर जा गिरी तो कई हवा में लटकने लगीं। गौर तलब है कि अभी करीब चार माह पूर्व ही 5 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली-मेरठ रेपिड रेलवे ट्रांजिट सिस्टम के 13 किलोमीटर लंबे जिस सेक्शन का उद्घाटन किया था, न्यू अशोक नगर स्टेशन भी उसी सेक्शन के बीच आने वाला एक प्रमुख स्टेशन है। और यह नवनिर्मित स्टेशन आंधी-तूफान का एक झटका भी नहीं झेल पाया। दिल्ली के न्यू अशोक नगर को उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से जोड़ने वाली इस परियोजना में 4,600 करोड़ रुपये की लागत आई है। न्यू अशोक नगर रैपिड मेट्रो स्टेशन पर हुये इस हादसे के बाद सुरक्षा के दृष्टिगत नमो भारत ट्रेन की सेवाओं के आवागमन को अगले आदेश तक स्थगित करना पड़ा था। इस हादसे के बाद एक बार फिर स्टेशन की छत के निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठने लगे हैं।

यहाँ एक बात यह भी काबिले गौर है न केवल प्रधानमंत्री नई ट्रेन को झंडी दिखा कर रवाना करते हैं बल्कि पुल,हाईवे एक्प्रेसवे के छोटे से नवनिर्मित हिस्से जैसी परियोजनाओं का भी वे स्वयं उद्घाटन करते हैं बल्कि ऐसे अवसरों पर प्रायः कांग्रेस की सरकार को कोसने और अपनी पीठ थपथपाने से भी नहीं चूकते। मिसाल के तौर पर गत वर्ष द्वारका एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री ने तंज करते हुये कहा था कि ह्नकांग्रेस ने 7 दशक तक जो गड्ढे खोदे थे वे अब तेजी से भरे जा रहे हैं। उसी समय उन्होंने यह भी कहा था कि 'मैं न छोटा सोच सकता हूं, न मैं मामूली सपने देखता हूं और न ही मैं मामूली संकल्प करता हूं। मुझे जो चाहिए विराट चाहिए, विशाल चाहिए और तेज गति से चाहिए क्योंकि 2047 में मुझे देश को विकसित भारत के रूप में देखना है।' परन्तु उन्होंने यह नहीं कहा कि मुझे हर परियोजना का निर्माण टिकाऊ व मजबूत भी चाहिये। याद कीजिये 16 जुलाई को प्रधानमंत्री ने जिला जालौन के कैथेरी में पूरे प्रचार-प्रसार के साथ जिस बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया था वह एक्सप्रेस-वे उद्घाटन के केवल 5 दिन बाद ही जगह-जगह से धंस गया था और उसमें कई जगह बड़े बड़े गड्ढे पड़ गये थे। जिसके कारण कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गये थे। चित्रकूट के भरतकूप से शुरू होकर इटावा के कुदरेल में मिलने वाले इस बुन्देलखंड एक्सप्रेस वे के निर्माण पर करीब 14 हजार करोड़ की लागत आई थी। इसके एक वर्ष बाद फिर इसी एक्सप्रेस वे पर पुनः चित्रकूट को जाने वाली लेन पर करीब एक दर्जन गढ्ढे हो गए थे। इन गड्ढों में पानी भरने से एक्सप्रेस वे से निकलने वाले कई वाहनों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ा था। उस समय भी मीडिया में इस परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किये गए थे और काफी घटिया निर्माण के चलते सरकार की काफी फजीहत हुई थी। जाहिर है यह गड्ढे कांग्रेस के समय के नहीं थे।

इसी तरह देश के सबसे लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर दौसा जिले के भांडारेज के पास पर भारी वाहन गुजरने से सड़क धंस गई, जिससे बड़ा गड्ढा हो गया था। इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया गया था। यहाँ भांडारेज टोल के पास भारी वाहन गुजरने मात्र से सड़क धंस गई थी जिससे सड़क के बीचों-बीच 15 फुट गहरा गड्ढा हो गया था । इस एक्सप्रेस वे पर गड्ढे होने के बाद इसमें भी घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल तथा लापरवाही का आरोप लगा था। इस परियोजना के निर्माण पर भी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत आई थी। 12 फरवरी 2023 को इस का भी प्रधानमंत्री मोदी ने ही उद्घाटन किया था और उद्घाटन करते हुये इसे भी देश की आधारभूत संरचना का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया था। लेकिन उद्घाटन के कुछ ही महीनों में बारिश ने इस 'उत्कृष्ट निर्माण' की वास्तविकता को उजागर कर दिया था। इस तरह के दर्जनों ऐसे उदाहरण हैं जो या तो निर्माण के समय ही ध्वस्त या क्षतिग्रस्त हो गये या उद्घाटन के कुछ समय बाद ही उनकी असलियत उजागर हो गई। अभी गत वर्ष बिहार में इसतरह एक के बाद एक कई बड़े पुल ढह गए। गत वर्ष अयोध्या नगरी में कई जगह सड़कें धंस गयीं। चंडीगढ़ से राजस्था को जाने वाला अंबाला से होकर गुजरने वाला हाइवे अपने निर्माण के कुछ ही समय बाद क्षतिग्रस्त हो गया था। इसपर बने कई पुल भारी वहां गुजरने पर आज भी थरथर हिलते हैं। यह सारे 'गड्ढे ' विकसित राष्ट्र के मार्ग में पड़ने वाले गड्ढे हैं जिनकी जिम्मेदारी न ही कांग्रेस की है न ही पंडित नेहरू की। सवाल यह है कि इस तरह के घटिया निर्माण के पीछे का रहस्य आखिर क्या है? कौन हैं इन कंपनीज के मालिक जो जनता के टैक्स के पैसों की इसतरह खुलकर लूट करते हैं? जनधन की लूट खसोट का यह सिलसिला आखिर कभी खत्म भी होगा या नहीं ? इन लुटेरी निर्माण कंपनियों को किसकी शह मिली हुई है ? क्या वजह है कि जिन मुगलों को विदेशी व आक्रांता बताकर दिन रात वोट बटोरने की राजनीति की जाती है उनके समय के बनाये हुये हजारों निर्माण आज भी पूरी मजबूती के साथ अपना सिर बुलंद किये खड़े हैं। इसी तरह अंग्रेजों के शासनकाल के अनेक महत्वपूर्ण निर्माण आजतक क्षतिग्रस्त नहीं हुये। उदाहरणार्थ 18 जनवरी 1927 को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड इरविन द्वारा उद्घाटित व ब्रिटिश वास्तुकारों एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर द्वारा डिजाइन किये गये पुराने संसद भवन का आज तक बाल भी बांका नहीं हुआ जबकि सेन्ट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत बना नया संसद भवन जिसका उद्घाटन 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था उसमें पहली बारिश के दौरान ही पानी टपकने लगा था। निश्चित रूप से यह इस भवन की गुणवत्ता या निर्माण में कमी के कारण ही था। इससे नये संसद भवन की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंची थी। परन्तु आश्चर्य है कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस व विकास का हर वक़्त ढिंढोरा पीटने वाली सरकार का 'विकास' कहीं गड्ढों में घुसा जा रहा है तो कहीं आंधी में उड़ा जा रहा है?

-निर्मल रानी

ऑपरेशन सिंदूरः भारत की ताकत और विपक्ष की राजनीति का नया द्वंद्व

-अजय कुमार

अजय कुमार,वरिष्ठ पत्रकार

ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का एक सशक्त प्रतीक बन चुका है। इस ऑपरेशन ने न केवल सीमाओं पर बैठे दुश्मनों को सीधा संदेश दिया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की स्थिति को मजबूत किया है। देशभर में इस ऑपरेशन की सराहना हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से लेकर कई बड़े देशों ने भारत के इस साहसी कदम की प्रशंसा की है। लेकिन देश के भीतर एक अजीब सा राजनीतिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। जिस समय जनता एकजुट होकर सेना के पराक्रम पर गर्व कर रही है, उसी समय प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस इस ऑपरेशन पर सवाल उठाकर खुद को कठघरे में खड़ा कर रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस तरह सरकार से यह पूछा कि कितने फाइटर प्लेन गिरे, यह सवाल वाजिब होते हुए भी एक गलत समय पर उठाया गया। जब देश युद्ध की स्थिति में होता है, तब जवाबदेही का मतलब समर्थन होता है, न कि सवालों की बौछार। राहुल गांधी का यह बयान कि ?सच जानना हमारा हक है? अपने आप में सही है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि सेना के मनोबल को ऐसे समय में ठेस न पहुंचे। एयर मार्शल एके भारती ने साफ कहा है कि हम युद्ध की स्थिति में हैं और इसमें नुकसान भी होता है, लेकिन क्या हमने अपने लक्ष्य हासिल किए? जवाब है हां। तो जब सेना खुद कह रही है कि उन्होंने मिशन को सफलता से पूरा किया है, तो सवाल पूछने की टाइमिंग पर बहस तो होगी ही। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को ह्यमुखबिरह्न कहने का आरोप और भी गंभीर है। कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और पवन खेड़ा ने यह दावा किया कि जयशंकर ने ऑपरेशन से पहले पाकिस्तान को सूचना दे दी, जिससे आतंकवादी बच निकले। इस दावे के पीछे जयशंकर का वह बयान है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने पाकिस्तान को स्पष्ट किया कि हमला आतंकवादियों पर होगा, न कि पाकिस्तानी सेना पर। यह बयान युद्ध को टालने और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन जुटाने की कूटनीतिक कोशिश थी, लेकिन विपक्ष ने इसे एक तरह से देशद्रोह करार दे दिया। क्या यह उचित है कि एक वैश्विक कूटनीति को इस तरह राजनीति का विषय बना दिया जाए?

राहुल गांधी की यह बात कि अगर पाकिस्तान को पहले से जानकारी थी तो मसूद अजहर के घर के दस से ज्यादा लोग मारे कैसे गए? अपने आप में कांग्रेस के आरोपों को खारिज करने के लिए काफी है। यह साफ संकेत है कि भारत ने एक तरफ आतंकियों को मार गिराया, वहीं पाकिस्तान की सेना से सीधी भिड़ंत से बचकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को मजबूत किया। इस रणनीति को कोई समझे या न समझे, पर इसे मुखबिरी कहना न केवल बचकाना है बल्कि खतरनाक भी। इस पूरे ऑपरेशन पर जो राजनीतिक विवाद खड़ा हुआ है, वह अब बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों का मुख्य मुद्दा बनता जा रहा है। इखढ इस ऑपरेशन को राष्ट्रवादी अभियान के रूप में पेश कर रही है, तो वहीं कांग्रेस इसे बीजेपी द्वारा राष्ट्रवाद के नाम पर ह्यराजनीतिक सौदाह्न बता रही है। कांग्रेस द्वारा ह्यसिंदूर का सौदागरह्न जैसे शब्दों का इस्तेमाल यह बताता है कि राजनीति का स्तर किस दिशा में जा रहा है। क्या यह वही पार्टी है जिसने सर्वदलीय बैठक में सरकार को पूरा समर्थन देने का वादा किया था? 8 मई 2025 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ कहा था कि इस संकट की घड़ी में हम सरकार के साथ हैं। लेकिन ठीक एक हफ्ते बाद कांग्रेस नेताओं के सुर बदल गए। अब सवाल उठ रहा है कि कांग्रेस की उस प्रतिबद्धता का क्या हुआ?

दरअसल, कांग्रेस की रणनीति अब जय हिंद सभाओं के जरिए इखढ पर हमला करने की है। 20 से 30 मई के बीच देशभर में कांग्रेस ऐसी सभाएं आयोजित कर रही है जिसमें यह बताया जाएगा कि कैसे बीजेपी राष्ट्रीय सुरक्षा का राजनीतिकरण कर रही है। लेकिन जनता यह सवाल भी पूछ रही है कि क्या यह सभाएं सेना के मनोबल के खिलाफ नहीं जा रही हैं? क्या इन सभाओं का मकसद राष्ट्रवाद की भावना को चोट पहुंचाना नहीं है?

भारत में विपक्ष की भूमिका बहुत अहम होती है। लोकतंत्र में यह विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह सरकार को जवाबदेह बनाए, गलतियों की ओर ध्यान दिलाए। लेकिन जब देश युद्ध की स्थिति में होता है, तब आलोचना और समर्थन के बीच की रेखा बहुत महीन हो जाती है। यही वजह है कि 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक के समय कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने आरंभिक रूप से सरकार का समर्थन किया था, लेकिन जैसे ही चुनावी राजनीति आई, उन्होंने मोर्चा बदल लिया। इस बार भी कुछ वैसा ही हो रहा है।

राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों में यह भी शामिल था कि भारत के कितने फाइटर प्लेन गिरे। तकनीकी रूप से देखा जाए तो यह सवाल उचित हो सकता है, लेकिन इस सवाल का समय और मंच गलत है। युद्ध के समय इस तरह के सवालों से दुश्मन देश को ही लाभ होता है। पाकिस्तान की संसद में बिलावल भुट्टो ने कहा कि भारत ने रात के अंधेरे में हमला किया और इसे कायरता करार दिया। जब पाकिस्तान की सरकार भारत को कायर बता रही है और भारत का विपक्ष कह रहा है कि भारत ने हमला बताकर किया, तो क्या इससे भारत की छवि को नुकसान नहीं होता?

सेना के लिए सबसे बड़ा हथियार होता है जनता का समर्थन। अगर देश की जनता एकजुट होकर अपने जवानों के पीछे खड़ी हो तो सेना का मनोबल ऊँचा रहता है। लेकिन जब देश के भीतर से ही विपक्ष इस तरह के सवाल उठाकर सेना की नीतियों पर संदेह करता है, तो यह सवाल जरूर उठता है कि क्या यह आलोचना है या राजनीतिक हथियार?

कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह सिंदूर का सौदागर जैसे शब्दों का प्रयोग किया है, वह भारतीय राजनीति की भाषा के स्तर को गिराता है। यह वही कांग्रेस है जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कभी मौत का सौदागर कहा था। अब सिंदूर का सौदागर कहकर बीजेपी को यह जताया जा रहा है कि वह देशभक्ति को बेचना चाहती है। लेकिन सवाल यह है कि अगर बीजेपी राष्ट्रवाद को बेच रही है, तो उसे खरीद कौन रहा है? क्या जनता इतनी भोली है कि वह राष्ट्रवाद के नाम पर सब कुछ भूल जाती है? आज जब ऑपरेशन सिंदूर जैसे सैन्य अभियानों के जरिए भारत अपनी सीमाओं को सुरक्षित कर रहा है, आतंकवाद के खिलाफ खुलकर मोर्चा ले रहा है, तो क्या विपक्ष की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह इन प्रयासों का समर्थन करे? आलोचना जरूर होनी चाहिए लेकिन समय देखकर, मंच देखकर और शब्दों को मापकर। आज भारत का आम नागरिक यह पूछ रहा है कि जब देश युद्ध के मुहाने पर खड़ा हो, तब विपक्ष क्यों एकजुट नहीं हो सकता? क्या राजनीति इतनी जरूरी हो गई है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी ऊपर हो जाए? भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां सवाल पूछने की आजादी सबको है। लेकिन सवाल वही पूछे जाते हैं जो जरूरी हों, और समय वही चुना जाता है जो उचित हो। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कांग्रेस की बदली हुई रणनीति और तीखे आरोप न केवल उसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि देश की एकता और अखंडता के लिए भी खतरे की घंटी हैं। जनता सब देख रही है, और आने वाले चुनावों में इसका जवाब जरूर देगी।

पालघर को मिला नया उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय, MH-60 बना नई पहचान

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार ने पालघर में नए उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (Sub-Regional Transport Office - RTO) की मंजूरी दे दी है। इस नई पहल के साथ ही पालघर को अब 'MH-60' के रूप में एक नई परिवहन पहचान (वाहन क्रमांक) प्राप्त हो गई है। यह जानकारी राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी। राज्य परिवहन मंत्री सरनाईक ने बताया कि 9 अप्रैल को पालघर में आयोजित लोकदरबार में उन्होंने बतौर संपर्क मंत्री यह आश्वासन दिया था कि पालघर के नागरिकों को जल्द ही अपना उप-प्रादेशिक परिवहन कार्यालय मिलेगा। सरकार के इस निर्णय से वह वादा अब पूरा हो गया है। इस फैसले से पालघर के नागरिकों को वसई-विरार जैसे दूर के इलाकों में जाकर परिवहन संबंधी कार्य कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे समय, मेहनत और धन की बचत होगी, और स्थानीय स्तर पर सुविधा भी बढ़ेगी। परिवहन मंत्री ने इस निर्णय के लिए राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शासन की ओर से इस संबंध में जल्द ही आधिकारिक आदेश भी जारी किया जाएगा। पालघर को मिला यह नया आरटीओ कार्यालय न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह जिले की पहचान को भी सशक्त बनायेगा।

जेल एजुकेशन ने फिनटेक कॉन्क्लेव 2025 आयोजित किया

मुंबई। वित्त और लेखा शिक्षा के लिए अग्रणी मंच जेल एजुकेशन ने फिनटेक कॉन्क्लेव 2025 का सफल आयोजन किया। इस अवसर पर देश के उद्योग जगत के प्रमुख विशेषज्ञों, नीति-निमार्ताओं और शिक्षाविदों ने भाग लिया और फिनटेक क्षेत्र में हो रहे बदलावों के साथ-साथ एक भविष्य-उन्मुख कार्यबल के निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर विचार साझा किए। इस आयोजन की शुरूआत डेलॉइट साउथ एशिया के अश्योरेन्स प्रेसिडेंट और चीफ स्ट्रेटजी ऑफिसर एंथनी क्रास्टो के उद्घाटन भाषण से हुई। इसके बाद द फिनटेक रिवॉल्यूशन विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें जेल एजुकेशन के को-फाउंडर एवं डायरेक्टर अनंत बेंगानी, पेटीएम के चीफ बिजनेस ऑफिसर अभय शर्मा, और डेलॉइट के टेक्नोलॉजी एंड ट्रांसफॉर्मेशन पार्टनर विवेक कुलकर्णी ने भाग लिया। जेल एजुकेशन के को-फाउंडर अनंत बेंगानी ने कहा, फिनटेक सेक्टर बेहद तेजी से विकसित हो रहा है और अब इस क्षेत्र में ऐसे पेशेवरों की जरूरत है, जिनके पास वित्त, टेक्नोलॉजी और बिजनेस स्ट्रैटजी का समन्वित ज्ञान हो। जेल एजुकेशन में हमारा फोकस स्किल गैप को पाटने और छात्रों को इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुसार तैयार करने पर है। एंथनी क्रास्टो ने अपने संबोधन में कहा, भारत के युवा इस देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और फिनटेक आज आर्थिक बदलाव की सबसे प्रभावशाली शक्ति बन चुका है। टेक्नोलॉजी एक ओर जहां चुनौतियाँ लाती है, वहीं दूसरी ओर वह नए अवसर भी प्रदान करती है। खास तौर पर फिनटेक ने वैश्विक स्तर पर नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2024 में भारत में यूपीआई के जरिए 172 बिलियन रूपए के लेनदेन हुए, जिसमें 44-45% की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। आने वाले वर्षों में यह आंकड़ा 500 बिलियन रूपए तक पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से अपील की कि वे अपने पाठ्यक्रमों को फिनटेक की बदलती जरूरतों के मुताबिक ढालें। शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटना आवश्यक है, ताकि हम एक ऐसा कार्यबल तैयार कर सकें जो भारत की फिनटेक क्रांति को बनाए रखने और तेज करने में सक्षम हो।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने ई-वाय इंडिया से रिजल्ट्स वैलिडेट करवाकर स्थापित किया नेशनल बैंचमार्क

मुंबई/पटना। देश में कम्पीटिटिव एग्जाम्स की तैयारी के लिए टेस्ट प्रेप इको सिस्टम में किए जाने वाले दावों की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट जेईई और नीट प्रवेश परीक्षा की तैयारी के क्षेत्र में ऐसा पहला संस्थान बन गया है, जिसके स्टूडेंट सलेक्शन और रिजल्ट्स को देश की लीडिंग प्रोफेशनल सर्विस फर्म ई-वाय इंडिया द्वारा स्वतंत्र रूप से सत्यापित किया जा रहा है। एक ही छात्र की सफलता के कई संस्थानों द्वारा दावा करने बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच ई-वाय इंडिया के साथ एलन की साझेदारी पारदर्शिता के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। दुनिया की सबसे भरोसेमंद ऑडिट फर्मों में से एक ई-वाय से अपने रिजल्ट्स का सत्यापन करवाने के पीछे एलन का लक्ष्य अस्पष्टता को खत्म करना और टेस्ट की तैयारी के इको-सिस्टम में विश्वसनीयता के नए मानक स्थापित करना है। एलन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नितिन कुकरेजा ने कहा कि हमारा मानना है कि विश्वास केवल शब्दों से नहीं, बल्कि कार्यों से अर्जित किया जाता है। 37 वर्षों से अधिक समय से एलन अकादमिक उत्कृष्टता और वास्तविक परिणामों का पर्याय रहा है। लेकिन वर्तमान में इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के युग में ई-वाय इंडिया के माध्यम से अपने परिणामों को सत्यापित करके हम पारदर्शिता, अखंडता और स्टूडेंट फर्स्ट वैल्यू के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहे हैं।

इस गर्मी, टाइटन एज की नई म्यूरल्स कलेक्शन के साथ स्टाइल और कलर का परफेक्ट मेल

मुंबई/पटना। भारत की सबसे पतली घड़ी ब्रांड एज बाय टाइटन ने इस गर्मी अपनी नई म्यूरल्स कलेक्शन के साथ फैशन और इंजीनियरिंग का बेहतरीन संगम पेश किया है। 'Artfully Engineered ' यानी कलात्मक रूप से डिजाइन की गई इस नई कलेक्शन में गर्मियों के रंग, हलकापन और आधुनिकता का अनूठा मिश्रण है। सिर्फ 4.3 मिमी पतली इस घड़ी की खूबसूरती इसके सादे लेकिन प्रभावशाली डिजाइन में है। इसमें इस्तेमाल हुआ है टाइटन का खास 1.15 मिमी का एज 9081 मूवमेंट, जो इसे तकनीकी रूप से भी बेहद खास बनाता है। इसका पतला और स्टाइलिश लुक गर्मियों की हल्की-फुल्की ड्रेसिंग के लिएएकदम परफेक्ट है–चाहे आप दफ्तर जा रहे हों या किसी ब्रंच पर। म्यूरल्स कलेक्शन की खास बात है इसके डायल्स के रंग–गुलाबी नीला , सेज ग्रीन और हल्का पीला–जो गर्मियों की मिठास, आइसक्रीमकी ठंडक और धूप की नर्म रोशनी से प्रेरित हैं। ये रंग सिर्फ देखने में सुंदर नहीं, बल्कि पहनने में भी हल्के और मन को भाने वाले हैं। स्टेनलेस स्टील के केस और Titan के आइकॉनिक स्कूप डिजाइन के साथ यह घड़ी न सिर्फ देखने में खूबसूरत है, बल्कि हर मौके के लिए उपयुक्त भी है।ये कलेक्शन आज के युवा, प्रोफेशनल और फैशन-फॉरवर्ड लोगों के लिए है, जो स्टाइल में सादगी और व्यक्तित्व दोनों चाहते हैं। टाइटन की चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर कल्पना रंगमणि के शब्दों में, म्यूरल्स कलेक्शन के जरिए हमने मिनिमलिज्म को एक नए नजरिए से देखा है–ऐसा जो रंगों, भावनाओं और गर्मियों की सहजता को भी अपने साथ लेकर चलता है। इस कलेक्शन की कैम्पेन में दिखाई गई हैं रंग-बिरंगी और सजीव छवियां जो गर्मियों की आजादी, नजाकत और आत्म-प्रकाश को बखूबी दशार्ती हैं। टाइटन एज की ये नई पेशकश सिर्फ एक घड़ी नहीं, बल्कि एक अनुभव है–एक मौसम, एक एहसास और एक स्टाइल स्टेटमेंट।

ट्रैफिक पुलिस विभाग द्वारा एक वर्ष में वाहन चालकों से 556.64 करोड़ की वसूली

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वन स्टेट वन चालान डिजिटल पोर्टल के माध्यम से मुंबई ट्रैफिक पुलिस विभाग ने 1 जनवरी 2024 से 28 फरवरी 2025 के बीच कुल 556 करोड़ 64 लाख 21 हजार 950 रूपए की भारी भरकम चालान राशि वसूल की है। यह जानकारी सूचना का अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली द्वारा दायर एक आरटीआई आवेदन के माध्यम से सामने आई है। उक्त अवधि में पोर्टल पर कुल 1,81,613 ऑनलाइन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1,07,850 शिकायतें खारिज कर दी गईं। यानी लगभग 59% शिकायतों को अमान्य कर दिया गया। सूचना का अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली ने मुंबई ट्रैफिक पुलिस से ई-चालान शिकायतों की जानकारी मांगी थी। मुंबई ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, वाहन के प्रकार (जैसे दोपहिया, चारपहिया, मालवाहक, यात्री वाहन आदि) के आधार पर प्राप्त शिकायतों का वर्गीकरण वन स्टेट वन चालान पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है, जिससे विशिष्ट वाहन श्रेणियों पर की गई कार्रवाई का विश्लेषण करना वर्तमान में असंभव है। सभी शिकायतों की जांच मल्टीमीडिया सेल, ट्रैफिक मुख्यालय, वर्ली, मुंबई में की जाती है। इसमें वाहन की तस्वीरें और आस-पास के दृश्यात्मक सबूतों की जांच की जाती है।यदि तस्वीरें या सबूत स्पष्ट नहीं होते, तो संबंधित ट्रैफिक विभाग या पुलिस स्टेशन को जांच के लिए भेजा जाता है। स्थानीय जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाता है कि चालान बरकरार रखा जाए या रद्द किया जाए। आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने कहा कि ई-चालान प्रणाली पारदर्शी होनी चाहिए, नागरिकों को अपना पक्ष रखने का पूरा और न्यायसंगत अवसर मिलना चाहिए, और हर शिकायत की निष्पक्ष एवं गहराई से जांच होनी चाहिए, यह आज की आवश्यकता है। चलान डिजिटल पोर्टल के माध्यम से मुंबई ट्रैफिक पुलिस विभाग ने 1 जनवरी 2024 से 28 फरवरी 2025 के बीच कुल 556 करोड़ 64 लाख 21 हजार 950 रूपए की भारी भरकम चालान राशि वसूल की है। यह जानकारी सूचना का अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली द्वारा दायर एक आरटीआई आवेदन के माध्यम से सामने आई है। उक्त अवधि में पोर्टल पर कुल 1,81,613 ऑनलाइन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1,07,850 शिकायतें खारिज कर दी गईं। यानी लगभग 59% शिकायतों को अमान्य कर दिया गया। सूचना का अधिकार कार्यकर्ता अनिल गलगली ने मुंबई ट्रैफिक पुलिस से ई-चालान शिकायतों की जानकारी मांगी थी। मुंबई ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, वाहन के प्रकार (जैसे दोपहिया, चारपहिया, मालवाहक, यात्री वाहन आदि) के आधार पर प्राप्त शिकायतों का वर्गीकरण वन स्टेट वन चालान पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है, जिससे विशिष्ट वाहन श्रेणियों पर की गई कार्रवाई का विश्लेषण करना वर्तमान में असंभव है। सभी शिकायतों की जांच मल्टीमीडिया सेल, ट्रैफिक मुख्यालय, वर्ली, मुंबई में की जाती है। इसमें वाहन की तस्वीरें और आस-पास के दृश्यात्मक सबूतों की जांच की जाती है।यदि तस्वीरें या सबूत स्पष्ट नहीं होते, तो संबंधित ट्रैफिक विभाग या पुलिस स्टेशन को जांच के लिए भेजा जाता है। स्थानीय जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाता है कि चालान बरकरार रखा जाए या रद्द किया जाए। आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने कहा कि ई-चालान प्रणाली पारदर्शी होनी चाहिए, नागरिकों को अपना पक्ष रखने का पूरा और न्यायसंगत अवसर मिलना चाहिए, और हर शिकायत की निष्पक्ष एवं गहराई से जांच होनी चाहिए, यह आज की आवश्यकता है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन की ओर से संगीत कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई। विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2025 के अवसर पर कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन गर्व के साथ प्रस्तुत कर रहा है अमित त्रिवेदी लाइव! एक नेक मकसद के लिए संगीत, एक विशेष लाइव कॉन्सर्ट जिसका उद्देश्य तंबाकू के सेवन से होने वाले खतरों के प्रति जागरूकता फैलाना और कैंसर मरीजों के इलाज व पुनर्वास के लिए फंड इकट्ठा करना है। यह कॉन्सर्ट रविवार, 25 मई 2025 को शाम 7 बजे श्री शन्मुखानंद चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती ऑडिटोरियम, सायन ईस्ट, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। प्रसिद्ध पार्श्वगायक और संगीतकार अमित त्रिवेदी इस कॉन्सर्ट में अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देंगे, और यह संदेश देंगे ज़िंदगी चुनिए, तंबाकू नहीं। इस पहल के बारे में उढअअ की कार्यकारी निदेशक अनीता पीटर ने कहा, हम अमित त्रिवेदी के आभारी हैं कि उन्होंने इस नेक मकसद के लिए अपना साथ दिया। उनका समर्थन उन कैंसर मरीजों के इलाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो तंबाकू के कारण अपनी आवाज तक खो चुके हैं। इलाज महंगा होता है, और यह कॉन्सर्ट जरूरतमंदों के लिए आशा की किरण बनकर आया है। पिछले 56 वर्षों से कैंसर के संपूर्ण प्रबंधन जागरूकता, रोकथाम, उपचार और पुनर्वास झ के लिए समर्पित है। संगठन आर्थिक रूप से कमजोर कैंसर मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सहायता, पोषण संबंधी सप्लीमेंट, कृत्रिम अंग, परिवहन, काउंसलिंग और उपचार के बाद सहयोग प्रदान करता है।

इसके अलावा, उढअअ विभिन्न कार्यस्थलों, फैक्ट्रियों और समुदायों में कैंसर जागरूकता व प्रारंभिक जांच शिविर आयोजित करता है, जहां हर साल 15,000 से अधिक लोगों की जांच की जाती है।

सेना के सम्मान में आयोजित सिंदूर यात्रा में शामिल हुए हजारों लोग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। लोढ़ा फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ मंजू लोढ़ा के नेतृत्व में आयोजित 'सिंदूर यात्रा' एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण बन गई, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के गौरवमयी सफल अभियान को समर्पित होकर हजारों लोगों ने भाग लिया। इस यात्रा का उद्देश्य हमारे वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करना और उनके अद्वितीय साहस, बलिदान और समर्पण को सम्मानित करना था। 2500 से अधिक लोगों ने इस पावन यात्रा में भाग लेकर राष्ट्रभक्ति और एकता का प्रदर्शन किया। विशेष अतिथि के रूप में लोकप्रिय अभिनेत्री मेघा घाडे और करिश्मा कुलकर्णी की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी गरिमा प्रदान की। दोनों ही अतिथियों ने इस पहल की सराहना की और देश के जवानों को सादर नमन किया। यात्रा की विशिष्ट उपस्थिति वीर माता श्रीमती अनुराधा

गोरे थीं, जिनकी उपस्थिति ने सबको भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर डॉ मंजू लोढ़ा ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। यह केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की शक्ति, एकता और आत्मबल का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने एक बार फिर पराक्रम का परिचय दिया है। यह यात्रा केवल एक पदयात्रा नहीं रही, यह एक आंदोलन था – कृतज्ञता, शक्ति और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक। इस ऐतिहासिक आयोजन को मंगल प्रभात लोढ़ा का पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ, जिनका राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान है। यह यात्रा पूर्ण रूप से सफल रही, और यह संदेश देती है कि भारतवासी अपने वीर जवानों के साथ सम्मान, श्रद्धा और अटूट विश्वास के साथ खड़े हैं।

जिला परिषद पालघर में मनाया गया 'आतंकवाद एवं हिंसा विरोधी दिवस'

अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली शपथ

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में बुधवार 21 मई 2025 को पालघर जिला परिषद मुख्यालय में 'आतंकवाद एवं हिंसा विरोधी दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों ने आतंकवाद और हिंसा का विरोध करने तथा राष्ट्रीय एकता और शांति बनाए रखने की शपथ ली। शपथ ग्रहण कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने की। इस अवसर पर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत) चंद्रशेखर जगताप समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज और देश पर आतंकवाद, हिंसा और विध्वंसक प्रवृत्तियों के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला और नागरिकों से इन प्रवृत्तियों के खिलाफ सतर्क रहने का आह्वान किया। साथ ही राष्ट्रीय एकता, अखंडता और भाईचारे के लिए सतत प्रयास करने की अपील भी की गई।

6 लोगों की मौत के मामले में चौरसिया गिरफ्तार

- चौथी मंजिल पर चौरसिया लगा रहा था टाइल्स
- कल्याण के एसीपी ने दिया जानकारी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में इमारत दुर्घटना प्रकरण में पुलिस ने कृष्णा लालचंद चौरसिया पर मामला दर्ज करते हुवे उसे गिरफ्तार किया है। कृष्णा चौरसिया अपने मकान की फ्लोरिंग का काम करवा रहे थे उसी दौरान इमारत का स्लैब गिर गया। गौरतलब हो कि मंगलवार की दोपहर कल्याण पूर्व के चिकनी पाडा इलाके में मौजूद सप्तश्रृंगी इमारत का स्लैब गिर गया। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, और 6 लोग जख्मी है। इस मामले में महापालिका अधिकारी सचिन तामखेड़े की शिकायत पर कोलसेवाड़ी पुलिस ने सप्तश्रृंगी इमारत की चौथी मंजिल पर रहने वाले कृष्णा चौरसिया के खिलाफ सदोष मानववध का मामला दर्ज किया है। इस संदर्भ में कल्याण के एसीपी कल्याणजी घेटे ने बताया कि जिस समय यह हादसा हुआ उस समय कृष्णा चौरसिया अपने मकान में टाइल्स लगवा रहे थे। आरोप है कि वह बिना अनुमति लिए काम कर रहे थे। लापरवाही से काम करवाने की वजह से चौथी मंजिल का स्लैब नीचे ग्राउंड फ्लोर तक आ गिरा। जिसके चलते 6 लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी। जबकि उतने ही लोग जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती है। चौरसिया पर मामला दर्ज कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आगे की जांच चल रही है।

लेजेंडर' स्कूटर का फेसलिफ्ट मॉडल जुलाई में होगा लॉन्च

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की सबसे तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनियों में से एक जेलियो ई मोबिलिटी ने अपने पॉपुलर लेजेंडर स्कूटर का नया फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च करने की घोषणा की है। इस नए मॉडल में नया डिजाइन, नए कलर ऑप्शन और बेहतरीन फीचर्स मिलेंगे। नए लेजेंडर स्कूटर को जुलाई 2025 में लॉन्च किया जाएगा। यह स्कूटर अब और भी ज्यादा स्मार्ट, स्टाइलिश और किफायती होगा. यह स्कूटर खासतौर पर भारत के बदलते अर्बन मोबिलिटी की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस लॉन्च के साथ ही जेलियो का मकसद लो-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ और बढ़ाना है।

लेजेंडर स्कूटर एक पावरफुल और एफिशिएंट 60/72 बीएलडीसी मोटर से चलता है। यह हर चार्ज में सिर्फ 1.5 यूनिट बिजली की खपत करता है. यही वजह है कि यह रोजाना के सफर के लिए एक इको-फ्रेंडली स्कूटर है. नया फेसलिफ्ट मॉडल हर चार्ज में करीब 150 किलोमीटर की रेंज देता है और इसकी टॉप स्पीड 25 किमी/घंटा रहने की उम्मीद है। यह स्कूटर पहले की तरह ही भरोसेमंद और कम खर्च वाला रहेगा।

इस नए मॉडल के खास बात यह है कि यह शानदार नए ग्राफिक्स,

मॉडर्न बॉडी स्टाइल और स्पोर्टी बोल्ड लुक के साथ आता है. इसे खासतौर पर युवा और स्टाइल को पसंद करने वाले राइडर्स को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

जेलियो ई मोबिलिटी लिमिटेड के को-फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर कुणाल आर्य ने कहा, 'लेजेंडर हमारे पोर्टफोलियो का एक पसंदीदा मॉडल रहा है, जिसे उसकी एफिशिएंसी, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता के लिए लोगों ने सराहा है। अब इसका फेसलिफ्ट वर्जन वापस आ गया है. यह और भी ज्यादा बोल्ड, फ्रेश और आज के राइडर्स की उम्मीदों पर खतरा उतरेगा। यह नया अपडेट हमारे कस्टमर्स के विश्वास और प्यार को समर्पित है और हमारी उस दिशा में एक और कदम है जहां हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को स्टाइलिश, सबके लिए सुलभ और भविष्य के लिए तैयार बना सकें।'

जेलियो ई मोबिलिटी ने शुरूआत से ही भारत के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मार्केट में एक बड़ी पोजीशन बना ली है। आज ब्रांड के पास 2 लाख से ज्यादा कस्टमर्स का भरोसेमंद आधार है और इसका 400+ डीलरशिप नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है। कंपनी का ऐम है कि साल 2025 के अंत तक 1,000 डीलरशिप तक अपने नेटवर्क को बढ़ाया जाए। लगातार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को ज्यादा सुलभ और लोकप्रिय बनाने की दिशा में काम कर रही है, जो कि भारत के स्वच्छ ऊर्जा और हरित परिवहन के बड़े लक्ष्यों के साथ मेल खाता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सरायख्वाजा पुलिस द्वारा वाछिंत आरोपी को किया गया गिरफ्तार

सरायख्वाजा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन में शासन द्वारा चलाये जा रहे ।अपराध एवं अपराधियो पर रोक लगाने व वाछिंत गिरफ्तारी के विरूद्ध अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा जनपद जौनपुर के पर्यवेक्षण में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0- 285/2025 धारा-3(1) यू0पी0 गैगेस्टर एक्ट थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर से सम्बन्धित एक नफर वाँछित अभियुक्त 1. राकेश यादव पुत्र भारत यादव नि0 जमुहाई थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को दिनांक-20.05.2025 को इटौरी जाने वाले मार्ग पर ग्राम खोभरिया हरिजन वस्ती जाने वाले मोड पर गिरफ्तार किया गया। जिसको थाने पर लाकर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है।

सखी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों व महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु सखी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सुतहट्टी चौराहा स्थित बैंकर्स प्लाजा में विवा बुटीक के सौजन्य से सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ अंजू कनौजिया, संस्था अध्यक्ष प्रीति गुप्ता, प्रशिक्षिका मोनिका गुप्ता सहित सभी सखियों ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ अंजू कनौजिया ने कहा कि महिलाएं स्वरोजगार से ही आत्मनिर्भर बन सकती हैं, जिसके लिए उनका शिक्षित एवं विभिन्न कार्यों में दक्ष व निपुण होना आवश्यक है। सखी वेलफेयर फाउंडेशन के प्रयास से आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं एवं युवतियों को सिलाई कढ़ाई कार्य में प्रशिक्षण द्वारा दक्ष बनाने से निश्चित रूप से उनकी आत्मनिर्भरता में बृद्धि होगी एवं यह अपनी जीविकोपार्जन बेहतर ढंग से कर सकेंगी ।संस्था अध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने नारी आत्मनिर्भरता के लिए संकल्पित संवेदनशील अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी प्रशिक्षु, प्रशिक्षिका मोनिका गुप्ता द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण का पूर्ण मनोयोग के साथ लाभ उठाएं क्योंकि बिना हुनर के महिलाओं का विकास संभव नहीं है।इस अवसर पर सरिता निगम ने सखी वेलफेयर फाउंडेशन के पूर्ववर्ती कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यक्रम का संचालन सखी शीला राय ने तथा उपस्थित सभी के प्रति आभार सखी पिंकी जायसवाल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सरला माहेश्वरी, स्वर्णिमा जायसवाल, रजनी साहू, दिव्या साहू, रूपम शुक्ला, साधना साहू, शकुंतला मौर्य, रेनू गुप्ता, वंदना साहू, संध्या उपाध्याय, दीपा साहू, गीता निषाद, समस्त प्रशिक्षु सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

खेतासराय नगर पंचायत बोर्ड बैठक में 38.63 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से पारित

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय नगर पंचायत कार्यालय में बुधवार को अध्यक्ष वसीम अहमद की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक शांतिपूर्वक संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 38 करोड़ 63 लाख रुपये का बजट सभासदों की सर्वसम्मति से पारित किया गया।बैठक के दौरान सभासदों ने पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई और जल निकासी जैसे जनहित के मुद्दों पर सुझाव दिए और विस्तृत चर्चा की।इस मौके पर अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी सहित सभासद शमीम अहमद, इलियास खान, खालिद खान, सलीम अहमद, शैलेश यादव, विवेक यादव, सतीश यादव, भाई लाल सोनकर, अमित सोनकर, एजाज अहमद, अनील, आसिम, अमीन, लेखक कविता श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। पारित बजट अब शासन को भेजा जाएगा।

सिटी मोंटेसरी मून स्कूल में बच्चियों का जलवा रहा कायम

* प्राइमरी सेक्शन की जैनब और मुशीरा ने किया स्कूल में टॉप
* जूनियर सेक्शन में छात्रा आयशा आफरीन ने किया स्कूल में टॉप

-हाफिज नियामत

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर स्थानीय कस्बा अंतर्गत कोतवाली वार्ड स्थित सिटी मोंटेसरी मून स्कूल में आज रिजल्ट वितरण किया गया जिसमें बच्चियों का जलवा कायम देखने को मिला।बताते चले सिटी मोंटेसरी मून स्कूल में रिजल्ट वितरण सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉक्टर मनोज व डॉक्टर पूजा यादव मौजूद रही।

डॉ पूजा यादव एमबीबीएस एम एस गाइनेकोलॉजिस्ट ने कहा कि शिक्षा वह मूल मंत्र है इसके माध्यम से जीवन के मूल उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है और सफलता को हासिल करने के लिए व्यक्ति का शिक्षित होना बहुत जरूरी है जो इंसान कठिन परिश्रम में विश्वास रखते हैं उन्हें सफलता जरूर मिलती है । शिक्षा से संबंधित बातों को करते हुए छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। इसी क्रम में डॉक्टर 'मनोज यादव एमबीबीएस एम डी ने स्कूल में अच्छे नंबर से पास करने वाले छात्र-छात्राओं को एवं टॉप करने वाले बच्चों को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। सिटी मोंटेसरी मून स्कूल में आहिल खान, एरम शाह , जैनब खान, मुशीरा समीर, अंसारी माएजा, अंसारी रीबा हयात, भूमि यादव, अंशिका मौर्या, दिशा गुप्ता, मुजम्मिल राईन, ऐजल कुरैशी ,आदि बच्चों ने अपनी अपनी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। जैनब खान ,मुशीरा समीर व आयशा आफरीन ने समस्त बच्चों में से स्कूल टॉप किया। प्रबंधक राशिद खान ने उक्त समारोह में समस्त छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की व मुबारकबाद दिया।इस मौके पर हाजी इश्तियाक खान , प्रबंधक राशिद खान, प्रधानाध्यापक आमिर खान, अध्यापक रेयाज अहमद, प्रदीप यादव सत्यनारायण साहित्य रत्न, आनंद गुप्ता नासिर, इमरान, शबनम, नसरीन, सीमा, शिफा,सौम्या, शालिनी, ज़िया, ताहिरा, नादिरा, स्कूल के छात्र-छात्राएं और उनके पैरेंट्स लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक आमिर खान ने किया।

पवित्र कुरान पढ़ लेने पर सम्मानित हुआ सात साल का बच्चा, उस्ताद को मिली बधाई हुए सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।मोहल्ला मियापुर स्थित मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित मदरसे में 7 साल के अहद ने कम उम्र में ही पवित्र किताब कुरान मुकम्मल कर लिया । जिसके लिए हाफिज शाफे अहमद को अंग वस्त्रम एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस खुशी में मदरसे के अन्य बच्चों में मिष्ठान वितरण किया गया। इस मौके पर मदरसा संचालक बख्तियार आलम ने कहा कि इतनी कम उम्र में अरबी भाषा की मुकद्दस किताब होली कुरान को मुकम्मल कर लेना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसके लिए उस्ताद के साथ-साथ परिजन भी बधाई के पात्र हैं।

पीयू के छात्र का एनपीसीआईएल में इंटर्नशिप के लिए चयन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र आलोक सिंह का चयन देश के प्रतिष्ठित संस्थान न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप हेतु हुआ है। यह इंटर्नशिप एनपीसीआईएल के मुंबई स्थित मुख्यालय में चार सप्ताह की अवधि के लिए आयोजित की जाएगी।आलोक सिंह का यह चयन उनकी तकनीकी दक्षता, उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन और निरंतर मेहनत का परिणाम है। इस प्रशिक्षण के दौरान वे अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करेंगे तथा न्यूक्लियर पावर परियोजनाओं पर प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव न केवल उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होगा, बल्कि विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाई प्रदान करेगा। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने आलोक को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अन्य छात्र भी इससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगे। संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल तथा विभागाध्यक्ष डॉ. विक्रांत भटेजा ने भी इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आलोक के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आलोक सिंह की यह उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने में सक्षम हैं और वे देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

नि :शुल्क पाठशाला स्थापना दिवस व सम्मान समारोह में सम्मानित हुए मेघावी

* यूपी बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र छात्राएं हुए सम्मानित
* रांगोली कला सामान्य ज्ञान और वीरों की शौर्य गाथा प्रतियोगिता में उत्तीर्ण बच्चे भी हुए सम्मानित

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के मोहल्ला गुड़हाई राजीव दाल मील (नागा बाबा कुटी) पर चल रहे निशुल्क पाठशाला के स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम में यूपी बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड के मेघावी बच्चों के साथ आयोजित प्रतियोगिता में उत्तीर्ण बच्चों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान सैकड़ों बच्चे उनके माता पिता, गुरुजन और भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।बताते चलें कि दो वर्ष पूरे होने पर निशुल्क पाठशाला के स्थापना दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पहले दिन सोमवार को पाठशाल के छोटे छोटे बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण, जैसी करनी वैसी भरनी, शहीद भगत सिंह,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, जस्टिस फॉर मोमिता,स्कूल चलें हम जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर अभिनय कर खूब तालियां बटोरी। दूसरे दिन सम्मान समारोह में यूपी बोर्ड व सीबीएसई बोर्ड के हाई स्कूल और इंटर मीडिएट के मेघावी बच्चों को उद्देश्य सचान गुरुकुलम खुशियों का स्कूल कानपुर, अभिषेक शुरूआत शुरूआत एक ज्योति शिक्षा की प्रयागराज, राजीव कुमार गुप्ता जिला सत्संग प्रमुख, क्रांति गुप्ता, सपा नेता पंकज मिश्रा जन संवाद फाउंडेशन चेयरमैन,आलोक कुमार गुप्ता सीटी पब्लिक स्कूल, इंजी उमाशंकर गुप्ता,आशुतोष त्रिपाठी समृद्धि ग्रुप ऑफ एजुकेशन, वरिष्ठ पत्रकार माधवेंद्र सिंह,शेखर आनंद पांडेय स्पेक्ट्रम कोचिग, डॉ सुधाकर दुबे हरिप्रभा वेलनेस ट्रस्ट, पूर्व चेयरमैन शिव गोविंद साहू, सत्य भामा गुप्ता, सुमन जयसवाल, राजकुमार गुप्ता और दुर्गा देवी द्वारा प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया। साथ ही स्थापना दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता रंगोली, कला , सामान्य ज्ञान और वीरो की शौर्य गाथा में उत्तीर्ण बच्चों को भी सम्मानित किया गया। वहीं निस्वार्थ भाव से बच्चों को शिक्षित करने वाली शिक्षिका प्रीति गुप्ता को सम्मान दिया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवम पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यकम का संचालन राजीव गुप्ता, राजीव जयसवाल व क्रांति गुप्ता ने किया। अंत में निशुल्क पाठशाला के संस्थापक/संचालक पत्रकार सूरज विश्वकर्मा और उनकी टीम अनुष्का जयसवाल, राहुल गुप्ता,अंकित गुप्ता ने आए हुए अतिथियों का ह्रदय से आभार जताया और कहा कि कोई भी कार्य आपके बिना कुछ भी संभव नहीं है। इस अवसर पर रंजीत गुप्ता, सदा शिव, दीपक जी, रोहन पांडेय, अर्पित शुक्ला, सुरेंद्र गुप्ता, पवन जयसवाल, मनोज जयसवाल, मनोज गुप्ता, विक्की गुप्ता, केपी यादव अमित शुक्ला, राहुल पांडेय, रमेश मिश्रा, आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

कुख्यात अपराधी कार्तिक को पकड़ने के लिए कौशांबी पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

* ट्रेलर ड्राइवर की हत्या और लूट का एक और आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे
* बदमाश संतोष ने अपने दो साथियों के साथ घटना को दिया था अंजाम
* पोरईकला का निवासी है 50 हजार का इनामिया बदमाश कार्तिक

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कौशांबी जिले के कोखराज इलाके में ट्रेलर चालक की हत्या कर चार करोड़ रुपये कीमती तांबे का तार लूटकांड का एक और आरोपी 50 हजार रुपये का इनामिया बदमाश रंजीत पुलिस के हत्थे चढ़ गया। वह 17 मई को पुलिस मुठभेड़ में ढेर घटना के मुख्य आरोपी का साथी था। लिखापढ़ी कर पकड़े गए बदमाश को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। फरार चल रहे तीसरे आरोपी की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

कोखराज के ककोढ़ा गांव स्थित बसेरा ढाबा के समीप में हाईवे किनारे झाड़ियों में 16 मई की रात राजस्थान के अजमेर के जगपुरा निवासी साबरमल मीणा (40) का शव मिला था। उसके सीने व पेट में गोली मारी गई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि साबरमल मीणा गुजरात से ट्रेलर में चार करोड़ का तांबे के तार लादकर गुजरात के लिए निकला था।

कार सवार बदमाशों ने घटना को दिया था अंजाम

पुलिस के मुताबिक कार सवार बदमाशों ने कोखराज के बरीपुर गांव के समीप चालक को बंधक बनाकर ट्रेलर लूट लिया था। इसके बाद चालक की हत्या कर ट्रेलर को कानपुर के कबाड़ी के यहां ले जाने की तैयारी कर रहे थे। जांच के दौरान पुलिस की लूटकांड के मुख्य आरोपी अपराधी संतोष राज भर उर्फ राजू निवासी पोरई कला, खेतासराय, जौनपुर से मुठभेड़ हो गई थी। जवाबी फायरिंग में संतोष राजभर मारा गया था ।

50 हजार ईनामी बदमाश कार्तिक के ठिकानों पर पुलिस दे रही है दबिश

मामले में संतोष के साथी रंजीत निवासी राजागंज कुंभा थाना बरदहा जिला आजमगढ़ व कार्तिक निवासी पोरईकला, जौनपुर फरार चल रहे थे। फरार बदमाशों पर पुलिस अफसरों ने 50-50 हजार का इनाम घोषित किया गया था। फरार बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस को मंगलवार सुबह सफलता मिल गई। पुलिस ने गंगा नदी किनारे संदीपनघाट के समीप से फरार आरोपी रंजीत को गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए बदमाश से पूछताछ के बाद पुलिस ने चालान कर दिया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अब कार्तिक की तलाश में दबिश दे रही है। इंस्पेक्टर कोखराज चंद्र भूषण मौर्या ने बताया कि रंजीत को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस का

सब्जी विक्रेता की संदिग्ध हालात में मौत, घर में मिली लाश

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत नगर के एक युवक की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। मोहल्ले वाले उसकी मौत को संदिग्ध मान रहे हैं। परिजन भी कुछ बोलने को तैयार नहीं थे। पुलिस को सूचना दिए बगैर लाश का अंतिम संस्कार कर दिया गया। केराकत नगर के शेखज्यादा प्रथम मोहल्ले में बीती रात एक रहस्यमयी मौत ने सनसनी फैला दी है। पेशे से सब्जी विक्रेता लल्लू सोनकर (50) संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हैरानी की बात यह रही कि परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही आनन-फानन में शव का अंतिम संस्कार कर दिया।स्थानीय लोगों के अनुसार, लल्लू सोनकर का शव घर में संदिग्ध स्थिति में मृतक पाया गया था। शुरू में यह खबर फैली कि उन्होंने पारिवारिक कलह से तंग आकर आत्महत्या की है, लेकिन परिजनों का इस पूरे मामले पर मौन रहना और फिर चुपचाप अंतिम संस्कार कर देना कई सवाल खड़े कर रहा है। लल्लू सोनकर अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। वह ठेले पर सब्जी बेचकर पत्नी और पांच बच्चों का पालन-पोषण करता था। अभी दो बेटी और दो बेटे की शादी और पढ़ाई की बाकी है।बड़ी बेटी प्रीति की तीन साल पहले जफराबाद में शादी हुई है। दूसरे नंबर पर नेहा (18), अर्पिता (16) कक्ष छह की छात्रा है। बेटा शुभम (14) कक्षा आठ में पढ़ता है। सबसे छोटा बेटा उमंग (12) वर्ष कक्षा पांच में पढ़ाता है।

परिजनों में मचा कोहराम

उसकी अचानक मौत ने पूरे परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। मोहल्लेवासियों ने बताया कि लल्लू मेहनती और सरल स्वभाव का इंसान था, लेकिन बीते कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान दिखाई दे रहा था। हालांकि, परिजन न तो मौत की वजह बता रहे हैं और न ही किसी से खुलकर बात कर रहे हैं।बिना पुलिस की जानकारी के अंतिम संस्कार होने के कारण अब सवाल उठ रहे हैं कि कहीं कोई महत्वपूर्ण सुराग तो नष्ट तो नहीं कर दिया गया। क्या यह आत्महत्या है या किसी और वजह से मौत हुई है।फिलहाल, पुलिस सूत्रों का कहना है कि उन्हें मामले की जानकारी अब मिल रही है। वे पूरे घटनाक्रम की जांच करेंगे। इस रहस्यमय मौत का सच पोस्टमार्टम के अभाव में सामने आना अब और भी मुश्किल हो सकता है। इस संबंध में पूछे जाने पर कोतवाली प्रभारी अवनीश कुमार राय ने बताया मुझे इस संबंध में कोई सूचना नहीं है।

पूर्वांचल किसान यूनियन, सोशलिस्ट किसान सभा ने जिलाधिकारी आजमगढ़ को दिया ज्ञापन

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल किसान यूनियन और सोशलिस्ट किसान सभा के प्रतिनिधि मंडल ने किसन समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी आजमगढ़ को सम्बोधित ज्ञापन एसीएम को सौपा. प्रतिनिधि मंडल में पूर्वांचल किसान यूनियन महासचिव वीरेंद्र यादव, सोशलिस्ट किसान सभा महासचिव राजीव यादव, बिरादर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्यामजीत यादव, हमीरपुर ग्राम प्रधान श्याम नारायण, अधिवक्ता विनोद यादव, अवधेश यादव, श्याम सुंदर मौर्या, सच्चिदा सिंह शामिल थे।पूर्वांचल किसान यूनियन महासचिव वीरेंद्र यादव ने कहा कि लेखपाल और कानूनगो ने जबरन उनकी जमीन कब्जा करवा दी है।सालभर से तहसील का चक्कर काट रहा हूँ न्याय नहीं मिला. सोशलिस्ट किसान सभा महासचिव राजीव यादव ने कहा कि तहसीलों पर लगने वाला समाधान दिवस सिर्फ नाम भर का रह गया है।फूलपुर तहसील के समाधान दिवस का व्योरा जिलाधिकारी को सौपते हुए कहा कि जिन लेखपाल और कानूनगो के खिलाफ शिकायतें थीं उन्हीं को पुनः जाँच सौपी जा रही थी।बिरादर गांव के श्यामजीत यादव ने शिकायत की कि उनके ग्राम सभा में बिना सहमति, मानक के विपरीत नदी और नहर के बीच अवैध तरीके से निजी व्यक्ति को लाभ पहुँचाने के लिए सरकारी नलकूप गड़वा दिया गया।अनुसूचित जाति की बस्ती में बन रही नाली की पाइप को उखड़वा दिया गया जिससे धन की क्षति हुई और रास्ता बुरी तरह से खराब हो गया है।हमीरपुर ग्राम प्रधान श्याम नारायण ने कहा कि उनके गांव में लखनऊ की एक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी द्वारा बायो सीएनजी प्लांट लगाया जा रहा है जिसका पूरी ग्राम सभा विरोध कर रही है।

लोहता में जर्जर मकान गिरने से हादसा, दो मजदूर घायल

वाराणसी(उत्तरशक्ति) ।जनपद के लोहता थाना क्षेत्र के मुढैला गांव में सोमवार को एक जर्जर मकान को तोड़ते समय बड़ा हादसा हो गया। मकान का छज्जा अचानक गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे दो मजदूर दब गए। हादसे में राजेंद्र (25 वर्ष) और सुभाष (21 वर्ष), निवासी कोइलीपुर, राजातालाब गंभीर रूप से घायल हो गए।जानकारी के अनुसार दोनों मजदूर महेंद्र प्रताप सिंह के पुराने जर्जर मकान को बांस-बल्लियों के सहारे तोड़ रहे थे।तभी अचानक छज्जा टूटकर उनके ऊपर गिर पड़ा। इस हादसे में सुभाष की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर पहुंची थानाध्यक्ष निकिता सिंह ने दोनों घायलों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, घटना की सूचना पर डीसीपी वरुणा प्रमोद कुमार और एसीपी रोहनिया संजीव शर्मा ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और घायलों का हालचाल जाना।स्थानीय लोगों ने मकान मालिक पर सुरक्षा उपायों की अनदेखी का आरोप लगाया है, जिस पर पुलिस जांच कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भाजपा के पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

-मुहम्मद आरिफ

सिधौना,आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी ने देशभक्ति,जोश और एकजुटता से भरी विशाल तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन पंडित त्रिलोकी मिश्रा के द्वारा वैदिक मंत्रों के साथ मां को धूप दीप फूल चढ़ाकर तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया गया। देवगांव सिधौना मण्डल अध्यक्ष अलका सिंह व वरिष्ठ भाजपा नेता विवेक सिंह के नेतृत्व मे यह यात्रा मां सिद्धेश्वरी माता देवी धाम से होते हुए सिधौना के वरिष्ठ पत्रकार राम प्रसाद मिश्रा के आवास व शिवा शिव मंदिर स्थल पर प्रसाद वितरण करकेसमापन किया गया ।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ भाजपा नेता कमलेश सिंह नें कहा की पहलगाम में आतंकियों की कायराना हरकत का जवाब हिंदुस्तान सेना ने ऑपरेशन सिंदूर से दिया है। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा देश की रक्षा में नारी शक्ति की भागीदारी का प्रतीक है।कार्यक्रम के नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ भाजपा नेता विवेक सिंह ने कहा की अद्भुत साहस और शौर्य का परिचय देते हुए देश की तीनों सेनाओं (जल, थल और वायु) ने पाकिस्तान के समर्थित आतंकी ठिकानों को नष्ट कर 'ऑपरेशन सिंदूर' को ऐतिहासिक सफलता दिलाई वही इस अवसर पर देवगांव सिधौना मंडल अध्यक्ष अलका सिंह, मंडल महामंत्री आनंद सिंह, मसाले सिंह एमएलसी प्रतिनिधि अनुराग तिवारी डॉक्टर गणेश सिंह, राम बहादुर सिंह,हनुमान विश्वकर्मा, फिरतु यादव, घनश्याम सिंह, दुर्गा सिंह, अमरनाथ सिंह, विजय राजभर, दीपक गौड़, मोहम्मद इकबाल, सक्रिय कार्यकर्ता राम पूजन यादव,विजय प्रकाश मौर्य, कृष्ण मोहन सिंह, हलदर सिंह सहित अन्य क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संकटमोचन मंदिर महंत के घर चोरी, पुलिस के साथ बदमाशों की मुठभेड़, तीन को लगी गोली

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में संकटमोचन मंदिर के महंत और आईआईटी बीएचयू के प्रोफेसर विश्वंभर नाथ मिश्र के तुलसी घाट स्थित आवास में हुई करोड़ों की चोरी की घटना के बाद कमिश्नरेट पुलिस एक्शन में है। मंगलवार देर रात पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने कोदोपुर में मुठभेड़ के बाद छह बदमाशों को गिरफ्तार किया, जिनमें से तीन पुलिस की गोली से घायल हुए हैं। एक बदमाश मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी रही।

रविवार को प्रो. मिश्र के आवास से कीमती गहनों और तीन लाख रुपये नकद की चोरी हुई थी। घटना की जानकारी उन्होंने सोमवार को दिल्ली से लौटने के बाद भेलूपुर थाने में दी थी। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने खुद जाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया था। वहीं डीसीपी और एडीसीपी ने भी मौका मुआयना किया था। डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल के निर्देश पर एसओजी प्रभारी मनीष कुमार मिश्र, रामनगर थानाध्यक्ष राजू सिंह और भेलूपुर थानाध्यक्ष गोपालजी कुशवाहा की टीम को बदमाशों की तलाश में लगाया गया।सर्विलांस की मदद से पुलिस को जानकारी मिली कि चोरी के आरोपी कोदोपुर में मौजूद हैं और चोरी के माल का बंटवारा कर रहे हैं। जब पुलिस ने उन्हें घेरने की कोशिश की, तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में बिहार के कैमूर निवासी विक्की तिवारी, जितेंद्र सिंह उर्फ गोलू और राकेश दुबे घायल हो गए। इनके तीन साथी दिलीप उर्फ बंसी चौबे (भगवानपुर), अतुल शुक्ला (फतेहपुर) और शनि (देवरिया) को भी गिरफ्तार किया गया। सातवां आरोपी सुरेंद्र मौके से भाग निकला।

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए सभी बदमाश प्रो. मिश्र के वर्तमान और पूर्व घरेलू कर्मचारी रह चुके हैं। उनके पास से चोरी किए गए गहने, नकदी और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और सभी आरोपितों को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

یسریٰ حکیمی دواخانہ
Regd.No20230048
गुसरा हकीमी दवाखाना
हमारी कोशिश आपका विश्वास...
उपलब्ध सुविधायें-
- गठिया व जोड़ो के दर्द का इलाज
- बवासीर का इलाज बगैर आपरेशन के
- चर्म रोग व पेट की तमाम बीमारियों का इलाज
- बालों का झड़ना, सफेद दाग मुहासे व छाइयों का इलाज होता है ।
- नि:संतान का अचूक इलाज
- शुगर कन्ट्रोल का इलाज

मंगलवार बंदी बाक़ी दिन का सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक
Mob.: 9198443844, 8960275665
नोट- पुरुषों व महिलाओं के गुप्त रोगों से सम्बन्धित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज किया जाता है ।
अब हर जुमा को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक
सफेद दाग के मरीजों को मुफ्त दवा मिलेगी यह सन् 2025 के अन्त तक जारी रहेगा।
पता- बड़ी मस्जिद, पूर्वी गेट के सामने जौनपुर (उ.प्र.)

बिजलीकर्मियों ने निजीकरण की साजिश के खिलाफ सड़कों पर उतरे कर्मचारी

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग के निजीकरण की कोशिशों के खिलाफ विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले बुधवार को को वाराणसी समेत पूर्वांचल में बिजलीकर्मि ने तीन घंटे तक कार्य बहिष्कार कर जबरदस्त प्रदर्शन किया। दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक अभियंताओं, तकनीशियनों, कार्यालय सहायकों, श्रमिकों और अन्य कर्मियों ने कार्यालयों से बाहर निकलकर प्रबंधन की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार और ऊर्जा प्रबंधन मिलकर निजीकरण की साजिश रच रहे हैं, जिससे हजारों कर्मचारियों की नौकरी पर संकट गहरा गया है। भय और मानसिक तनाव के कारण कर्मचारी ठीक से काम नहीं कर पा रहे हैं, जिससे राजस्व वसूली में भारी गिरावट आई है। इसके बावजूद प्रबंधन वसूली घटने का ठीकरा कर्मचारियों पर फोड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन के नेता ई. नीरज बिंद ने बड़ा आरोप लगाया कि पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन और प्रबंधन अवैध तरीके से नियुक्त विवादित कंसल्टेंट ग्रांट थॉर्टन को बचाने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी पर अमेरिका में जुमार्ना लग चुका है और झूठा शपथपत्र देने का आरोप भी है, इसके बावजूद उसे क्लीन चिट देने की कोशिशें हो रही हैं। ई. बिंद ने कहा कि निदेशक वित्त निधि नारंग का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, लेकिन ग्रांट थॉर्टन को फर्जी तरीके से बचाने के लिए उन्हें दोबारा सेवा विस्तार देने की तैयारी चल रही है। वहीं, हाल ही में नियुक्त निदेशक वित्त पुरुषोत्तम अग्रवाल ने इस घोटाले में शामिल होने से साफ इंकार कर दिया और पदभार ग्रहण करने से मना कर दिया।

निजीकरण के खिलाफ अब आर-पार की लड़ाई

ई. नरेंद्र वर्मा ने कहा कि पूर्वांचल व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण के खिलाफ यह केवल शुरूआत है। अगर सरकार और प्रबंधन ने ग्रांट थॉर्टन को क्लीन चिट दी या निजीकरण की दिशा में कदम बढ़ाया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इंजीनियर ऑफ द कॉन्ट्रैक्ट की रिपोर्ट में भी ग्रांट थॉर्टन को दोषी ठहराया गया है और उसकी नियुक्ति रद्द करने की सिफारिश की गई है। सभा की अध्यक्षता ई. मनीष राय ने और संचालन वेदप्रकाश राय ने किया। सभा को मीडिया प्रभारी, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति अंकुर पाण्डेय, ई. नवदीप सिंह, ई. सौरभ कटेरिया, ई. मायाशंकर तिवारी, ई. प्रमोद कुमार, संदीप कुमार, प्रशांत कुमार, विजय सिंह, राजेन्द्र सिंह, मोहम्मद हारिश, विकास कुशवाहा, ई. मनोज गुप्ता, रामजी भारद्वाज व ज्योति भास्कर ने भी संबोधित किया।

भारत के उद्यमियों के लिये एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म टाइड

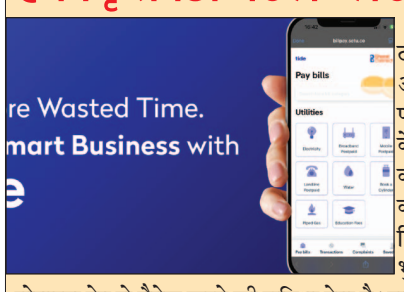

पटना (उत्तरशक्ति)। टाइड, भारत का एक अग्रणी बिजनेस मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म है, जो देशभर के छोटे और मझोले कारोबारों (एमएसएमई) को उनके पैसे, कागजात, बिजनेस एडमिन और भुगतानों को एक ही मोबाइल ऐप से मैनेज करने की सुविधा देता है। चाहे कोई कारोबारी अपना व्यापार शुरू कर रहा हो या पहले से एक बढ़ता हुआ बिजनेस चला रहा हो - टाइड उनके लिए काम को तेज, आसान और स्मार्ट बनाता है। इस ऐप की सबसे बड़ी खासियत है इसका सरल और सहज इंटरफेस - जिसे पहली बार स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वाले भी आसानी से चला सकते हैं। यह ऐप खास तौर पर स्थानीय व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिससे वे प्रक्रियाओं की उलझनों से मुक्त होकर सीधे व्यापार की वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर सकें। गुरजोधपाल सिंह, सीईओ, टाइड (इंडिया) ने कहा, भारत की विकास यात्रा छोटे कारोबारों के योगदान के बिना अधूरी है। एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, खासकर बिहार जैसे राज्यों में, जहां जमीनी स्तर पर उद्यमिता तेजी से बढ़ रही है। टाइड के जरिए हम इन उद्यमियों को ऐसे डिजिटल टूल्स दे रहे हैं जो उनके कारोबार को तेज, आसान और अधिक सुलभ बनाते हैं। जो काम पहले हफ्तों में होता था, अब कुछ ही मिनटों में हो जाता है। सही संसाधनों से सशक्त होकर ये कारोबारी भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बकाया दो हजार रुपये मांगने पर पिता-पुत्र को लाठी-डंडों से पीटा, पिता की मौत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। माल थाना क्षेत्र के मवई खुर्द में मंगलवार देर रात अपने दिए दो हजार रुपए वापस मांगने पर मजदूर रामकेशन व उसके पुत्र दशरथ को पड़ोसियों ने पीट पीटकर गंभीर घायल कर दिया। आरोपी मौके से फरार हो गए। पिता व बेटा को गंभीर हालत में सीएचसी माल में भर्ती कराया गया। जहां से हालत बिगड़ती देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां रामकेशन की मौत हो गई। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि हत्या का मुकदमा छः लोगों पर दर्ज कर आरोपियों को हिरासत में ले कर पूछताछ की जा रही है। थाना क्षेत्र माल के ग्राम मवई खुर्द निवासी छोटे बेटे जसकरन ने बताया कि लगभग दो माह पूर्व मेरे बड़े भाई दशरथ से एक मोबाइल सही करने के लिए गांव के ही पड़ोस में रहने वाले गुलफाम ने 2000 रुपये लिए थे ।

भाई दशरथ ने बीती मंगलवार देर रात लगभग 10 बजे फोन व रुपए वापस करने के लिए गुलफाम से कहा था। इसी बात पर उत्तेजित होकर गुलफाम, शानू, चुन्नी, ,मुनव्वर ,गुटकी ,आसिफ नेक एक राय होकर जाति सूचक गाली देते हुए लाठी डंडों से मेरे भाई दशरथ को पीटना शुरू कर दिया।

चोरों ने 10 लाख की नगदी और 20 लाख के जेवरात किए पार

रायबरेली (उत्तरशक्ति)। बछरावां कोतवाली क्षेत्र के सुदौली गांव निवासी भैयालाल तिवारी के पोते शिवा तिवारी की बृहस्पतिवार को बारात जानी है। घर वाले शादी की तैयारियों में जुटे थे।

रिश्तेदारों का भी जमावड़ा है। इस दौरान विवाह की तैयारियों में व्यस्त परिवार को चोरों ने निशाना बनाया। सोमवार देर रात चोर घर में दाखिल हुए और दो कमरों की अलमारियों से करीब 10 लाख रुपये नकद और 20 लाख के जेवरात उड़ा ले गए। सुबह लोगों की आंख खुली तो दोनों कमरों में फैले सामान को देखकर वे हक्का बक्का रह गए।

फर्जी आरोप से अवधेश शुक्ला सहित दो आरोपी को कोर्ट ने किया बरी

-आदेश मिश्र

जबलपुर (उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश के जबलपुर एनडीपीएस कोर्ट के विशेष न्यायाधीश शशि भूषण शर्मा ने मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपी अवधेश त्रिभुवन शुक्ला (46) और राहुल रमेश यादव (32) को बा इज्जत बरी कर दिया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध लगाए गए सारे आरोप फर्जी पाए गए। मुंबई स्थित विक्रोली पार्क साइट निवासी अवधेश शुक्ला और नवी मुंबई निवासी राहुल यादव अपने मूल गांव यूपी से 16 मई 2018 को मुंबई आ रहे थे। जबलपुर स्टेशन पर रात के करीब 10 बजे पुलिस की एक टीम ट्रेन में घुसी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया। अवधेश और राहुल को लेकर पुलिस बेलबाग पुलिस स्टेशन पहुंची और दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। इस दौरान दोनों लोगों के साथ मारपीट की गई और सादे पेपरों पर हस्ताक्षर करवा लिए गए। 24 अप्रैल 2025 को इस मामले की अंतिम सुनवाई विशेष न्यायाधीश शशि भूषण शर्मा की अदालत में हुई। बचाव पक्ष के अधिवक्ता एड.भारत दुबे अनुज पाठक स्यामधर मिश्रा तथा एड. ओम यादव ने अपनी अपनी दलीलें पेश की। कोर्ट में पुलिस ने आरोप साबित करने के लिए जो दलीलें और साक्ष्य पेश किए वे सभी फर्जी साबित हो गए। लिहाजा कोर्ट ने अवधेश और राहुल को सभी आरोपों से बा इज्जत बरी कर दिया। इस संबंध में अवधेश शुक्ला ने बताया कि बिना कोई बात बताए पुलिस जबरदस्ती उठाकर ले गई। थाने में जब पुलिस ने उनके बैग की तलाशी ली तो उसमें 14 मंदिरों का प्रसाद, 5 सेट कपड़ा, सेविंग का सामान, खाना, नया जुता और नमकीन बिस्किट रखा मिला। एक पुलिस वाले ने जब अपने सीनियर को यह बात बताई तो वह बोला कि इस केस के माध्यम से पैसा और पोस्टिंग दोनों मिलने वाला है। पुलिस के सामने जीवन बर्बाद करने की लाख दुहाई दिए जाने के बावजूद पुलिस ने हमारे सर पर रिवॉल्वर की नोक पर सादे कागजों पर साइन लिया और साइन न करने पर देश द्रोही घोषित कर गोली मार देने की धमकी दी। जेल में मालूम पड़ा कि हम दोनों के खिलाफ स्मैक की तस्करी का आरोप लगाया गया है। उन्होंने बताया कि 65 दिन बाद उन्हें बेल मिली। कोर्ट एविडेंस के रूप में रेलवे सीसीटीवी फुटेज, लोकेसन, बिल, रेल टिकिट, काल रिकॉडिंग आदि के आधार पर कोर्ट ने हम दोनों को बा इज्जत बरी कर दिया है। निर्दोष होने के बावजूद जिस तरह से हम दोनों को फर्जी केस में फंसाया गया और जिंदगी को दागदार बना दिया गया, क्या उन पुलिस वालों के खिलाफ कोई कानून है जो भविष्य में किसी निर्दोष को फंसाने से रोक लगा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद जवानों के शहादत पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

-आत्मा कुमार सिंह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान महाराजगंज में वीर शहीद जवानों के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें में शामिल हुए बीएड के प्राध्यापक व छात्राएं महाराजगंज स्थानीय शहर के गोरख सिंह महाविद्यालय में आपरेशन सिन्दुर के तहत भारत सरकार द्वारा प्रतिरक्षण एवं देश की संप्रभुता अक्षुण्य बनाने रखने के अभियान के तहत शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में एक शहीद श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पूरा महाविद्यालय परिवार नम आँखों से नमन करके वीर सपूतों को श्रद्धांजलि सुमन अर्पित किया। महाविद्यालय के निदेशक प्रो० अमय कुमार सिंह ने श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की रक्षा के लिए शहीद जवानों को शहादत को सदा याद रखा जाएगा। देश के आन बान व शान को कभी आंच नहीं आने दिया जाएगा. कार्यक्रम में महाविद्यालय की शैक्षणिक निर्देशिकाश्रीमती वीणा सिंह, बी० एड० प्रभाग के प्राचार्य अश्वनी कुमार सिंह के अलावा विद्यालय के प्राध्यापक,और टीचर स्टाफ तथा महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षु छात्र- छात्राएं उपस्थित थीं।

मनपा स्वास्थ्य विभाग द्वारा मानसून पूर्व संगठित अभियान

मुंबई। महालक्ष्मी के सातरस्ता धोबी घाट, रामदेव नगर एवं सात रास्ता परिसर में बुधवार 21 मई 2025 को सुबह बृहन्मुंबई महानगरपालिका पालिका जी-दक्षिण स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्रूसेड (संगठित स्वास्थ्य अभियान) का आयोजन किया गया। जहां संपूर्ण क्षेत्र में कीटनाशक औषधि युक्त धुंवा का प्रसार,परिसर की स्वच्छता एवं संसययुक्त बिमार व्यक्तियों की मुफ्त खून जांच एवं औषधि दी गई। उक्त कार्यक्रम का आयोजन एवं निर्देशन जी-दक्षिण विभाग के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र मोहिते ने किया तथा आयोजन को सफल बनाने में डॉ राजेश देवेंद्र,डॉ अमोल दरोई, समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाडे, सवेर्लेंस निरीक्षक चैतन्य रावल, अन्वेषक विनय कुमार शर्मा की अहम भूमिका रही। उक्त कार्यक्रम में कीटनाशक विभाग समन्वयक लक्ष्मण झगड़े सहित कर्मचारियों में लक्ष्मण पाटील, किशोर वालकोली, महेश खारवा,महेंद्र जैसवाल, खान अहमद, अजय, जितेन्द्र ठाकुर, राजेश घाड़ी तथा शिवालय एवं करीरोड सहायक चिकित्सा अधिकारी डॉ सीमा नेवरेकर, एएनएम काजोल खंढारे, कविता दोरकर, किर्ति दरसिम्बे, परिचारिका कविता चौगुले, अरुणा चिपलूनकर, रेशमा अकेरकर, वर्षा जाधव, अपर्णा सावंत, शर्मिला सालुंखे, सुनंदा कांबले का अतुलनीय योगदान रहा। उक्त अभियान का उद्देश्य मानसून पूर्व मलेरिया, डेंगू,फाइलेरिया फैलाने वाले मच्छरों को नष्ट करने तथा स्वास्थ्य संबंधित बिमारियों को बढ़ने से रोकने के लिए क्रूसेड का आयोजन किया गया।

काशी से तय होगी चार राज्यों की रणनीती, 24 जून को काशी आएंगे अमित शाह

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में होगी मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक 24 जून को काशी में होगी। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। उत्तर प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री भी हिस्सा लेंगे। इसकी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मध्य क्षेत्रीय परिषद की 24वीं बैठक उत्तराखंड में हुई थी। इस बार मेजबानी के लिए यूपी को चुना गया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बैठक काशी में कराने का निर्णय लिया। यह बैठक नदेसर के होटल ताज में होगी। इसमें गृह मंत्री के साथ ही यूपी के मुख्यमंत्री, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव मौजूद रहेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर ही सोमवार को कमिश्नरी सभागार में अपर मुख्य सचिव सचिवालय प्रशासन जितेंद्र कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली जाएं। इसमें गृह मंत्रलाय के साथ ही नीति आयोग और अंतर राज्य परिषद के अधिकारी भी हिस्सा लेंगे।मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार ही बैठक काशी में होनी है। मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने लोकनिर्माण विभाग को सड़कें ठीक करने की जिम्मेदारी दी है। बिजली निगम को जर्जर खंभे हटाने हैं। लटकते तार ठीक कराने हैं। नगर निगम को सफाई, कूड़ा उठान, चौराहों की लाइटिंग कराने को कहा है। उन्होंने बताया कि सीवरेज ओवरफ्लो नहीं होना चाहिए। वाराणसी विकास प्राधिकरण फसाड लाइटें तेजी से लगवाए। चौराहों की पेंटिंग और लाइटिंग कराई जाए। जल निगम के अफसरों को सख्त हिदायत दी और कहा कि नई खोदाई नहीं की जानी चाहिए। मंदिर जाने वाली सड़कें ठीक रहनी चाहिए।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन खाने की गुणवत्ता का ख्याल रखे। पुलिस महकमा सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखे। लाइजन ऑफिसर नियुक्त किए जाएं। स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होनी चाहिए। अग्निशमन विभाग को फायर चेक, पर्यटन को टूरिस्ट गाइड, घाट देखने हेतु क्रूज, एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन पर अतिथियों के स्वागत हेतु प्लेटफॉर्म लगाने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम सत्येंद्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त डॉ एस चनप्पा, अपर नगर आयुक्त सविता यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

संजय गांधी नेशनल पार्क परिसर के नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए गोपाल शेट्टी ने मंत्रालय में की संयुक्त बैठक

बोरीवली (मुम्बई)। केतकीपाड़ा, दामू नगर, फिल्मसिटी सहित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान परिसर के निवासियों के पुनर्वसन के संदर्भ में माननीय न्यायालय द्वारा दिए गए दिशानिर्देश को लेकर चर्चा करने और भविष्य की ठोस रणनीति बनाने को लेकर उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने मंत्रालय में मुम्बई भाजपा अध्यक्ष एड. आशिष शेलार के दालान में एक संयुक्त बैठक की। इस बैठक में जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ-साथ विधायक संजय उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावड़े, वन विभाग व पुलिस विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए। इस संयुक्त बैठक में पालक मंत्री तथा मुम्बई भाजपा अध्यक्ष एड. आशिष शेलार ने उन्हें पूर्ण साथ देने और सम्पूर्ण सहयोग करने की बात कही , जिसके लिए जनसेवक गोपाल शेट्टी ने उन्हें दिल की धन्यवाद' देते हुए कहा कि अब वे और भी जोश से संजय गांधी नेशनल पार्क वन विभाग के निवासियों के हित और न्याय के लिए अपने प्रयासों और संघर्ष को नई उचाइयाँ देंगे।

माधोपुर निवासी दयाशंकर मिश्रा का दु:खद निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर, पोस्ट बंधवा , तहसील मछली शहर ग्राम माधोपुर के निवासी समाजसेवी दयाशंकर मिश्रा उम्र 68 वर्ष के आयु में दिनांक 19 मई 2025 दिन सोमवार रात 10 बजे अपघात (रोड एक्सीडेंट) होने के कारण आकस्मिक निधन हो गया। पंडित दयाशंकर मिश्रा एक मिलनसार सरल सौम्य स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके निधन पर गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। बताया जाता है कि वे मुम्बई के गोलीबार नाका , तीसरी सड़क सांताक्रुज पूर्व में निवास स्थान है। वे 16 अप्रैल 2025 को मुंबई से अपने मातृभूमि गांव बंधवा आए हुए थे। जहां पर उनका एक्सीडेंट हो गया । उनका अंतिम संस्कार2 0 मई 2025 को वाराणसी के मनोकार्णिका घाट पर उनके बड़े पुत्र अधिवक्ता भोलानाथ मिश्रा ने मुखाग्नि दे कर अंतिम संस्कार किया। जिसमे पिता राधेश्याम मिश्रा, पुत्र भोलानाथ मिश्रा, कपिल मिश्रा, भाई शिवशंकर मिश्रा भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति , उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, गुजरात सूरत से जीजा संजय तिवारी,भांजा कुंजेश तिवारी (गोटू), जय तिवारी, मुंगराबादशाहपुर से कृष्ण चंद दुबे, गीता दुबे, समाजसेवी भाजपा नगर अध्यक्ष रवि कृष्ण चंद दुबे, सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक प्रकट किया। लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंग आत्मा को ईश्वर शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पोखरी में डूबने से युवक की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ के अतरौलिया थाना क्षेत्र के सरैया रत्नावे स्थित पौहारी बाबा पोखरे में बुधवार को दोस्तों संग नहाने के लिए उतरा युवक डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों और स्थानीय लोगों के सहयोग से उसे दो घंटे बाद पोखरे से बाहर निकलवाया। तहबरपुर थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी सौरभ यादव (18) अपने दोस्तों रवि यादव और आदित्य यादव के साथ सुबह पौहारी जी के मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए आया था।

यदुवंशी सेवा समिति परिवार की तरफ से यथार्थ गीता व अंग वस्त्र का वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिद्ध पुरुष सद्गुरु भगवान अड़गड़ानंद महाराज के आशीर्वाद से आज यदुवंशी सेना समिति परिवार के तरफ से स्वामी जी द्वारा रचित यथार्थ गीता और अंगवस्त्र आए हुए सभी सम्मानित महानुभावों को भेंट किया गया। उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर अंतर्गत मछली शहर क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में आए हुए सम्मानितों में वासुदेव फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद यादव, हरिश्चंद्र यादव, यदुवंशी सेना समिति के राष्ट्रीय सलाहकार कामरेड नेता ऊदल यादव, जिला पंचायत सदस्य डॉ अमर बहादुर यादव, जिला पंचायत सदस्य डॉ अमित यादव, टछउ प्रत्याशी डॉ मनोज यादव, मास्टर समाजसेवी शैलेश यादव, डॉ सुरेश और तमाम साथी लोग संगठन के उपस्थित पदाधिकारी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दयाशंकर यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमाकांत यादव, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष राजेश यादव, उत्तर प्रदेश प्रभारी योगेन्द्र यादव, उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष रमन यादव, निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष राम मिलन यादव, महाराष्ट्र उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश यादव, जौनपुर जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र यादव, जौनपुर जिला सचिव राजेश यादव, अधिवक्ता सूरज यादव, अधिवक्ता प्रमेन्द्र यादव, अधिवक्ता उदय प्रताप यादव, बिल्डर सुशील यादव, प्रधान लल्लू यादव, अधिवक्ता अरुण यादव बाबा शामिल रहे।

कार्यक्रम में आए हुए सभी सम्मानित महानुभावों को तहे दिल से आभार प्रकट किया।

SOS चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया ने देशभर के 28 कार्यक्रम स्थलों पर कमजोर परिवारों को सशक्त किया

मुंबई। भारत भर में ऐसे कमजोर परिवार, जिनके प्रमुख कमाने वाले अक्सर दिहाड़ी मजदूर होते हैं, रडर चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के फैमिली स्ट्रेंथनिंग प्रोग्राम के माध्यम से अपनी मासिक आय को स्थिर और लगातार बढ़ाने में सफल रहे हैं। इस कार्यक्रम से पिछले पांच वर्षों से जुड़े परिवारों ने अपनी आय में 322% तक की वृद्धि दर्ज की है।

फैमिली स्ट्रेंथनिंग प्रोग्राम वर्तमान में 22 राज्यों के 28 स्थलों पर संचालित हो रहा है, जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को कवर करता है। 2003 में लॉन्च होने के बाद से यह कार्यक्रम देशभर में बच्चों और उनके देखभाल करने वालों पर सकारात्मक प्रभाव डालता आया है। संगठन की एक प्रमुख पहल के रूप में, यह कार्यक्रम एक रोकथाम आधारित दृष्टिकोण अपनाता है ताकि बच्चे संस्थागत देखभाल के बजाय अपने जैविक परिवारों के साथ ही बड़े हो सकें। यह महिलाओं को सशक्त बनाकर, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सहनशीलता को बढ़ावा देकर तथा कमजोर परिवारों के चारों ओर सहयोग का एक इकोसिस्टम खड़ा कर, काम करता है। रडर चिल्ड्रन्स विलेजेज इंडिया के सीईओ श्री सुमंता कर ने कहा, हमारे फैमिली स्ट्रेंथनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत समर्थित महिलाएं अद्भुत आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन कर रही हैं, जो अब पारिवारिक आय और निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मजबूत हुए सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के पास अब 5 से 7 लाख रुपये का कोष है, और हर परिवार को बैंकिंग की सुविधा प्राप्त है। समर्थित बच्चों में स्कूल में नामांकन 100% है और ड्रॉपआउट शून्य, परिवार अब अपने बच्चों की शिक्षा और पोषण की जिम्मेदारी स्वयं संभालते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य शिविर और राशन सहायता हमारे समग्र हस्तक्षेप का हिस्सा हैं।